www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 185 || अम्बेडकरनगर
रविवार
27 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:56
सूर्यास्तः 05:59
अधिकतमः 25°00
न्यूनतमः 22°00


पेज 07

विशेष समाचार
लोकतंत्र की बुनियाद पर चोट... >>पेज 04
प्रेमानंदजी का शिष्य चौथी ... >>पेज 06
'किसी का अपमान करने की ...

दिल्ली-महाराष्ट्र में 30 अक्टूबर तक क्लेम कर सकेंगे

बैठक में फैसला लिया गया कि दिल्ली, महाराष्ट्र में क्लेम और ऑब्जेक्शन दाखिल करने की तारीख 30 अक्टूबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। दिल्ली में विवाद का निपटारा 30 नवंबर और महाराष्ट्र में निपटारा 10 नवंबर तक करना होगा। गोवा में जिन वोटर्स का नाम छूट गया है, वहां ब्लॉक अफसर घर-घर जाकर फॉर्म-6 कलेक्ट करेगा।

- एसआईआर में अगर आपका नाम लिस्ट में नहीं है या छूट गया है तो फॉर्म-6 के जरिए नाम शामिल कराने का दावा किया जाता है। आयोग ने कहा कि फॉर्म-6 पर कोई विवाद है ही नहीं। फॉर्म-6 को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है।



एसआईआर में नाम कटा तो घर जाकर दस्तावेज लेंगे अफसर

- एसआईआर के दौरान अब तक 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 13.37 करोड़ नाम कम हुए हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक देश में कुल 96.88 करोड़ से ज्यादा मतदाता हैं, यानी करीब 14.1% वोटर्स के नाम एसआईआर में काटे गए।
- यह बैठक तब हुई जब ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों के बीच चुनाव आयोग के फैसलों पर मतभेद का दावा किया जा रहा है। रिपोर्ट सामने आने के बाद कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी ने आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की।



विवाद के बाद चुनाव आयोग का फैसला, अब तक 30 राज्य- यूटी में 13.37 करोड़ नाम कटे

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। मतभेद की खबरों के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार नाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने दिल्ली में बैठक की। चुनाव आयोग के मुताबिक, जिन लोगों के SIR में नाम काटे गए हैं, उनके दावे और आपत्तियों की समय सीमा बढ़ाई गई है। जिन लोगों को नाम मैप नहीं होने या रिकॉर्ड में गड़बड़ी के कारण नोटिस भेजा गया है, बीएलओ उनके घर जाकर जरूरी दस्तावेज जमा करेंगे और चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड करेंगे। इन पर रीजनल इलेक्टोरल अफसर फैसला लेगा। इसके अलावा बैठक में नाइट शेल्टर में रहने वाले लोगों, मजदूरों, गरीबों और बेघर लोगों के लिए पर्याप्त हेल्प डेस्क या स्पेशल कैंप लगाए जाने का भी फैसला लिया गया। यह मामला चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर चल रहे विवाद के बीच सामने आया है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में चुनाव आयोग के फैसलों पर 14 बार आपत्ति जताई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई। कांग्रेस का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार चुनाव आयोग में मनमानी कर रहे हैं और दो अन्य आयुक्तों की बात नहीं सुन रहे हैं। >> (शेष पेज 06 पर)



शनिवार को नई दिल्ली स्थित चुनाव आयोग के मुख्यालय में SIR को लेकर बैठक हुई।

चुनाव आयुक्तों के लेटर एसआईआर पर नहीं थे

पूरा विवाद द इंडियन एक्सप्रेस की जिस रिपोर्ट से शुरू हुआ, चुनाव आयोग ने उस पर भी सफाई दी। आयोग ने कहा कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने कैबिनेट सचिव को जो लेटर भेजा था, वह SIR या चुनाव आयोग के किसी फैसले से जुड़ा नहीं था, बल्कि चुनाव पैनल में प्रतिनियुक्ति पर आए एक अधिकारी के कामकाज से संबंधित था। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि चुनाव आयुक्तों के बीच असहमति के बीच EC ने कैबिनेट सचिव को लेटर लिखा है।

चुनाव आयोग के पांच बड़े फैसले

1. **नोटिस पाने वालों को घर बैठे राहत:** SIR में नोटिस पाने वाले मतदाताओं के दस्तावेज BLO खुद घर जाकर लेंगे, दफ्तर जाने की मजबूरी नहीं होगी और जरूरत पड़ने पर ऑनलाइन सुनवाई होगी।
2. **वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का मौका:** जिन नागरिकों का नाम छूट गया है या जो नए युवा मतदाता हैं, वे ERO के पास आवेदन देकर विशेष अभियान के तहत अपना नाम जुड़वा सकेंगे।
3. **बेघर और कमजोर वर्ग के लिए कैंप:** रैन बसेरों, मजदूरों और बेघर लोगों के मतदाता पंजीकरण के लिए DEO विशेष हेल्प डेस्क और कैंप लगाएंगे।
4. **ECINet पोर्टल की स्वतंत्र जांच:** पोर्टल की कार्यप्रणाली की जांच IIT/IIM के स्वतंत्र विशेषज्ञ वाली एक उच्चस्तरीय कमेटी करेगी।
5. **दावे और आपत्तियों की तारीखें बढ़ीं:** मतदाताओं की सुविधा के लिए दिल्ली में 30 अक्टूबर और महाराष्ट्र में 12 अक्टूबर तक दावे-आपत्ति दर्ज कराने की समयसीमा बढ़ाई गई है।

आयोग बोला फार्म 6 पर विवाद गलत इसे सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया

फॉर्म में बदलाव को लेकर हुए विवाद पर चुनाव आयोग का कहना है कि SIR के लिए फॉर्म 6 के साथ जुड़े डिक्लेरेशन को सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया है।

फॉर्म 6 और नया नियम: नया वोटर कार्ड बनवाने का जरिया फॉर्म 6 है, लेकिन चुन आयोग ने इसमें एक नई शर्त जोड़कर युवाओं से उनके माता-पिता या दादा-दादी के पुराने SIR रिकॉर्ड की जानक मांगना शुरू कर दिया।

विवाद की वजह: लाखों नए युवाओं के पास पुरखों के पुराने कागजात नहीं जिससे उनके फॉर्म खारिज होने लगे; साथ ही यह आरोप लगा कि आयोग ने संसद और कानून मंत्रालय की मंजूरी बिना ही सॉफ्टवेयर में यह बदलाव कर दिया।

कोर्ट का फैसला: मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां कोर्ट ने सुनवाई के बाद इस प्रक्रिया को सही माना और अब चुनाव आयोग ने साफ कर दिया है कि इस नियम में कोई बदलाव नहीं होगा।

कॉलेजियम की गोपनीयता जरूरी : सीजेआई सूर्यकांत

'शांतिपूर्ण प्रदर्शन छात्रों का मौलिक अधिकार'

संवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना । CJI सूर्यकांत ने कहा कि छात्र शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर सकते हैं। यह उनका मौलिक अधिकार है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई करती हैं तो रक्षा न्यायपालिका करेगी। शनिवार को CJI सूर्यकांत पटना के चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (CNLU) में कानून के छात्रों से सीधा संवाद कर रहे थे। संवाद के दौरान छात्रों ने कॉलेजियम में दर्ज असहमति को सार्वजनिक नहीं किए जाने, बढ़ती फीस, स्कॉलरशिप और पहली पीढ़ी के वकीलों की आर्थिक मुश्किलों से जुड़े सवाल पूछे। इस पर CJI ने एक-एककर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम की टिप्पणियां सार्वजनिक नहीं करने के पीछे संबंधित व्यक्ति की गरिमा धूमिल हो सकती है। >> (शेष पेज 06 पर)



- सीजेआई सूर्यकांत ने कानून के छात्रों से सीधे बातचीत की।
- पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन करने वालों पर हुई थी एफआईआर

यूपी में हालात बिगड़े 16 मौतें 5 मकान गिरे

एक दिन में 25 गुना ज्यादा बरसात

सतर्क

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। पूरे प्रदेश में 46 घंटे से जोरदार बारिश हो रही है। 40-50 किमी. की रफ्तार से आंधी चल रही है। सड़कें तालाब बन गई हैं। कॉलोनियों में पानी घुस गया है। 32 जिलों में अचानक बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। पेड़-पोल उखड़ने से रास्ते बंद हो गए हैं। 5 मकान भरभराकर गिर गए हैं। 16 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में 52.5 मिमी. बारिश हुई। जोकि सामान्य 2.7 मिमी. से 25 गुना ज्यादा है। प्रतिशत के हिसाब से देखें तो यह आंकड़ा 1800% से ज्यादा है। सीजन में मानसूनी बारिश का कोटा भी फुल हो गया है। 1 जून से अब तक कोटे से 2% ज्यादा 751.9 मिमी. बारिश हुई। >> (शेष पेज 06 पर)



- 46 घंटे से आंधी-बारिश थम नहीं रही

फास्ट न्यूज

नाबालिग पत्नी से संबंध बनाना पॉस्को के तहत अपराध

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने 16 साल की लड़की से रेप के आरोपी व्यक्ति के खिलाफ दर्ज केस रद्द करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि नाबालिग से शादी करना आरोपी को कानूनी कार्रवाई से नहीं बचा सकता।

दावा आत्महत्या

गुवाहाटी में होमस्टे में छात्रा का शव मिला

गुवाहाटी। गुवाहाटी यूनिवर्सिटी की 22 वर्षीय सोशियोलॉजी की स्टूडेंट निमिषा ठाकुरिया की एक होमस्टे में में मौत हो गई।
निमिषा अपने बॉयफ्रेंड आसिफ अली के साथ शुक्रवार रात से यहां रुकी हुई थी। इस मामले में आसिफ अली को गिरफ्तार किया गया है। आसिफ का दावा है कि निमिषा ने आत्महत्या की है। लेकिन, पुलिस को प्राथमिक जांच में यह हत्या का मामला लग रहा है।
निमिषा के परिवार से मिली जानकारी के मुताबिक, आधी रात को निमिषा का कॉल आया था। वह सिर्फ इतना ही कह सकी- वे मुझे मार डालेंगे।

तमिलनाडु में यूट्यूबर के घर 1 करोड़ की चोरी

नागरकोइल । तमिलनाडु के नागरकोइल में एक महिला यूट्यूबर के घर से 220 सॉवरेन सोने के गहने चोरी हो गए। यह वारदात अंतना नादर कुडियिरुप्पु के पास VIP गार्डन में हुई। घर में रहने वाले विनोथकुमार गुरुवार को तिरुनेलवेली गए थे। परिवार दो साल के बच्चे के आगामी जन्मदिन के लिए कपड़े खरीदने गया था।

वे ज्ञानेश नहीं गायब कुमार, वोटर्स के नाम काटे, उन्हें जाना होगा

चुनाव आयुक्त पर ममता का तंज- राहुल का आरोप- चुनावों में फिक्सिंग की

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/कोलकाता। SIR विवाद और चुनाव आयोग में आयुक्तों के बीच मतभेद के सामने आने के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त लगातार विपक्ष के निशाने पर हैं।

पूर्व बंगाल CM ममता बनर्जी ने उन्हें 'वैनिश' कुमार यानी गायब कुमार कह दिया है। उन्होंने ज्ञानेश कुमार पर SIR के दौरान वोटर लिस्ट से वोटरों के नाम 'गायब' करने का आरोप लगाया। हुगली में शनिवार को पार्टी की रैली के दौरान ममता ने मांग की है कि ज्ञानेश को जाना होगा, जब तक यह मुद्दा हल नहीं हो जाता, पार्टी उनका विरोध करती रहेगी। ममता की पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा है कि सिर्फ 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) ही CEC ज्ञानेश कुमार को हटा सकती है। इधर, राहुल गांधी ने भी X पर लिखा- ज्ञानेश कुमार को मोदी और शाह ने अंपायर बनाकर भारत के चुनावों में मैच फिक्सिंग का जिम्मा सौंप दिया। >> (शेष पेज 06 पर)



इंडिया ब्लॉक में बैठक को लेकर चर्चा जारी

विपक्षी दलों का एक वर्ग I.N.D.I.A. ब्लॉक की जल्द बैठक बुलाने के पक्ष में है। इसमें चुनाव आयोग के मुद्दे पर मिलकर आगे की रणनीति तय करने की बात हो रही है। हालांकि, अब तक गठबंधन ने कोई साझा एक्शन प्लान जारी नहीं किया है। CPI(ML) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य भी राहुल गांधी से SIR के मुद्दे पर I.N.D.I.A. ब्लॉक की बैठक बुलाने की बात कह चुके हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

सीएम योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली में पीएम नरेन्द्र मोदी से की शिष्टाचार भेंट

पीएम आवास में प्रधानमंत्री मोदी से योगी की मुलाकात

चर्चा

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। बैठक में यूपी चुनाव की रणनीति के साथ राज्यसभा और एमएलसी चुनाव पर चर्चा की जानकारी है। यूपी की 10 राज्यसभा सीटों पर 16 अक्टूबर को मतदान होना है। अभी किसी दल ने उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। जानकारी के मुताबिक लंबी बैठक में यूपी चुनाव की रणनीति के साथ-साथ राज्यसभा चुनाव और एमएलसी चुनाव पर चर्चा हुई। हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। मोदी और योगी की ये बैठक काफी अहम मानी जा रही है। क्योंकि यूपी चुनाव से पहले अक्टूबर में यूपी की 10 राज्यसभा सीटों पर 16 अक्टूबर को वोटिंग होगी। >> (शेष पेज 06 पर)



उत्तर प्रदेश में विधान परिषद और राज्यसभा के चुनाव से पहले महत्वपूर्ण मुलाकात

16 अक्टूबर को राज्यसभा चुनाव के लिए वोटिंग

चुनाव आयोग द्वारा जारी प्रेस नोट के मुताबिक राज्यसभा चुनावों के लिए आगामी 29 सितंबर को नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। इसके बाद 6 अक्टूबर को नामांकन जमा करने की आखिरी तारीख होगी। उम्मीदवार 9 सितंबर तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। चुनाव 16 अक्टूबर, शुक्रवार को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक संपन्न कराया जाएगा। 16 अक्टूबर को वोटों की गिनती होगी। राज्यसभा की 10 सीटों में 8 भाजपा, एक सपा और एक बसपा के पास हैं। अभी तक किसी भी पार्टी ने उम्मीदवार घोषित नहीं किया है।

जांच: हेड मुहर्रिर पर कार्रवाई के बाद अब जांच के अगले पायदान पर निगाह

बड़ों पर रहम, छोटों पर सितम?

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। बरियावन कांड में शुरुआती कार्रवाई के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि कार्रवाई का दायरा कहां तक जाएगा। हेड मुहर्रिर पर कार्रवाई हो चुकी है। इसके बाद स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज है कि क्या पूरे प्रकरण की जिम्मेदारी सिर्फ निचले स्तर तक सीमित थी या जांच में ऊपर के स्तरों की भूमिका भी सामने आएगी।

मामला मकानों और दुकानों के ढहाए जाने से जुड़ा है। ऐसे में शिकायत से लेकर मौके पर हुई कार्रवाई तक की पूरी कड़ी खंगालना अहम है। किस स्तर पर विवाद की जानकारी थी, शिकायतें किसके संज्ञान में आईं और कार्रवाई से पहले क्या कदम उठाए गए, इन सवालों के जवाब जांच से ही सामने आएंगे। बरियावन मामले में अब जांच के अगले चरण पर नजर है। यदि घटनाक्रम से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका सामने आती है तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई हो सकती है। प्रभावित परिवारों के लिए भी यही बड़ा सवाल है कि आशियानों के ढहने की पूरी जिम्मेदारी आखिर किस स्तर तक तय होती है। केवल मौके की कार्रवाई की जांच से पूरी तस्वीर साफ होगी या उससे पहले की प्रक्रिया भी खंगाली जाएगी, यह आगे की जांच से स्पष्ट होगा। बरियावन कांड में पहली कार्रवाई हो चुकी है। >> (शेष पेज 06 पर)



शिकायत से लेकर कार्रवाई तक की पूरी कड़ी सामने आने पर ही यह स्पष्ट होगा कि जिम्मेदारी किसकी थी और किस स्तर पर चूक हुई। फिलहाल निगाहें जांच की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

'बड़े बच गए, छोटे नप गए?'



- सीओ नीतीश कुमार क्या इनकी भी होगी जांच?

कार्रवाई के बाद स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि "बड़ों पर रहम, छोटों पर सितम?" यह सवाल फिलहाल लोगों की प्रतिक्रिया के रूप में सामने आया है। इसे जांच का निष्कर्ष नहीं माना जा सकता। असल स्थिति तभी साफ होगी, जब जांच में यह सामने आएगा कि घटनाक्रम की जानकारी किस-किस स्तर तक थी और किसकी क्या भूमिका रही। किसी अधिकारी, कर्मचारी या अन्य व्यक्ति को जांच पूरी होने से पहले दोषी ठहराना उचित नहीं होगा।

एक पर कार्रवाई, बाकी कड़ियां अब भी बाकी

हेड मुहर्रिर पर कार्रवाई के बाद जांच की पहली तस्वीर सामने आई है, लेकिन घटनाक्रम की पूरी तस्वीर अभी बाकी है। मौके पर इस्तेमाल हुई मशीनें, कार्रवाई में शामिल लोग और पुलिस स्तर पर हुई प्रक्रिया भी जांच के अहम बिंदु हो सकते हैं।

सबसे अहम सवाल यह है कि विवाद इतना बढ़ा कैसे और समय रहते इसे रोकने के लिए क्या किया गया। यदि शिकायतें पहले से थीं तो उनका निस्तारण किस स्तर पर हुआ, यह भी जांच का हिस्सा बन सकता है।

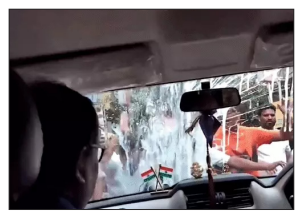
टीएमसी विधायक कुणाल घोष की कार पर हमला

ममता की रैली में जाते समय अंडे फेंके, शीशा तोड़ा

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में शनिवार को TMC विधायक कुणाल घोष की कार पर हमला हुआ। घोष श्रीरामपुर में ममता बनर्जी की रैली में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान उत्तरपाड़ा में भीड़ ने उनकी गाड़ी को चारों तरफ से घेर लिया और अंडे फेंके। विधायक के ऑफिस की तरफ से X पर घटना का वीडियो पोस्ट किया गया है। वीडियो में कुणाल घोष ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। पीछे की सीट पर भी कुछ लोग बैठे थे, जो वीडियो बना रहे थे। हमले में कार का पीछे का शीशा भी टूट गया। TMC नेताओं ने घटना के पीछे BJP के शामिल होने का आरोप लगाया है। पिछले 4 महीने के दौरान घोष पर हमले का यह तीसरा मामला है। >> (शेष पेज 06 पर)



- कुणाल घोष अंडे फेंकने वाले लोगों के सामने हाथ भी जोड़ते दिखे।
- कुणाल घोष बोले- यह जंगलराज है

मौसम में खराबी के चलते हवाई यात्रा रद्द की, सड़क मार्ग से गाजीपुर रवाना

वाराणसी में डिप्टी सीएम का हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका

खराबी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक शनिवार को वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचे। उन्हें यहां से हेलीकॉप्टर से गाजीपुर जाना था। लेकिन मौसम की खराबी की वजह से उनका हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। करीब 10 मिनट बाद डिप्टी सीएम सड़क मार्ग से गाजीपुर के लिए रवाना हो गए। उपमुख्यमंत्री दोपहर 12:20 बजे वाराणसी एयरपोर्ट पहुंचे थे। यहां से हेलीकॉप्टर से गाजीपुर जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित था। इसी बीच एयरपोर्ट और आसपास के क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ बारिश होने लगी। खराब मौसम को देखते हुए हेलीकॉप्टर से गाजीपुर जाने का प्रोग्राम कैंसल करना पड़ा। इसके बाद 12:30 बजे वे सड़क मार्ग से गाजीपुर रवाना हो गए। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उपमुख्यमंत्री को दोपहर 12:20 बजे गाजीपुर पुलिस लाइन हेलीपैड पहुंचना था। मौसम खराब होने के कारण हेलीकॉप्टर से यात्रा संभव नहीं हुई, इसलिए उन्हें वाराणसी से सड़क मार्ग से गाजीपुर जाना पड़ा।





एयरपोर्ट पर उपमुख्यमंत्री का प्रोटोकॉल प्रभारी और भाजपा किसान मोर्चा काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शैलेश पांडेय समेत कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

गाजीपुर में स्वास्थ्य महाकैंप का शुभारंभ करेंगे

ब्रजेश पाठक को गाजीपुर के लंका मैदान में शनिवार को स्वास्थ्य महाकैंप का शुभारंभ करना है। कैंप 26 से 28 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। इसमें दिल्ली एम्स, अपोलो, बीएचयू समेत अन्य अस्पतालों के डॉक्टर मरीजों को निशुल्क परामर्श, जांच और इलाज की सुविधा देंगे।

वाराणसी की 243 साल पुरानी बिना लाइट की रामलीला

वाराणसी। वाराणसी में अनंत चतुर्दशी के बाद रामनगर की गलियां 31 दिनों तक रामकथा के रंग में रंग जाती हैं। शाम होते ही गंगा की ओर से आती हवा के बीच जय श्रीराम के उद्घोष गूंजते हैं और श्रद्धालु रामलीला स्थल की ओर बढ़ते हैं।

करीब 243 साल पुरानी रामनगर की रामलीला में परंपरा आज भी उसी भव्यता के साथ कायम है। पहले दिन रावण जन्म और क्षीर सागर की भव्य झांकी ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। लीला स्थल पहुंचे काशी राज परिवार के मुखिया अनंत नारायण सिंह का पीएसी जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया।

इसके बाद वे हाथी पर सवार होकर लीला स्थल पहुंचे और रामलीला का अवलोकन किया। लीला में श्रीअवध में शृंगी ऋषि द्वारा कराए गए यज्ञ, श्रीराम सहित चारों भाइयों के जन्म, विराट दर्शन, बाललीला और यज्ञोपवीत संस्कार के प्रसंगों का मंचन किया गया।

कच्ची दीवार गिरने से महिला की मौत इलाज के दौरान तोड़ा दम

तीन बच्चों के सिर से उठा मां का साया

तमसा संकेत, संवाददाता



सूरतगंज (बाराबंकी)। लगातार बारिश के बीच जर्जर और कच्चे मकानों व दीवारों से हादसे का खतरा बढ़ गया है। शुक्रवार देर शाम ऐसा ही दर्दनाक हादसा कोतवाली फतेहपुर क्षेत्र के ग्राम सरदारगंज मजरे गोपालपुर में हुआ। पति के लिए खाना लेकर हाते की ओर जा रही 38 वर्षीय महिला अचानक भरभराकर गिरी कच्ची दीवार के मलबे में दब गई। गंभीर हालत में उसे सीएचसी फतेहपुर ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। ग्राम सरदारगंज मजरे गोपालपुर निवासी संदीप कुमार यादव गांव के बाहर हाते में पशुपालन का काम करते हैं। शुक्रवार देर शाम उनकी पत्नी सुनीता देवी (38) घर से खाना लेकर पति के पास जा रही थीं। वह गांव के बाहर रास्ते से गुजर रही थीं। इसी दौरान रास्ते के किनारे बनी कच्ची दीवार अचानक भरभराकर उनके ऊपर गिर गई। अचानक हुए हादसे से महिला को संभलने का मौका तक नहीं मिला। देखते ही देखते वह दीवार के मलबे के नीचे दब गईं। आसपास मौजूद लोगों और परिजनों को जानकारी हुई तो मौके पर पहुंचकर मलबा हटाया गया और महिला को बाहर निकाला गया।

मलबे में दबने से सुनीता गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। परिजन तत्काल एंबुलेंस की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर लेकर पहुंचे।

फास्ट न्यूज

यूपीपीएससी स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी परीक्षा 4 अक्टूबर को

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (स्क्रीनिंग) परीक्षा-2025 का आयोजन 4 अक्टूबर को किया जाएगा। परीक्षा प्रदेश के 10 जिलों में एक सत्र में सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक होगी।आयोग के अनुसार, परीक्षा केंद्र अलीगढ़, बरेली, अयोध्या, गोरखपुर, झांसी, कानपुर नगर, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज और वाराणसी में बनाए गए हैं।

बारिश में जलभराव देखने निकले मेयर, कमिश्नर, डीआईजी

गोरखपुर। रात से ही लगातार हो रही बारिश के बीच शनिवार को लगभग सुबह लगभग 11 बजे मेयर डा. मंगलेश श्रीवास्तव, कमिश्नर इन्द्र विक्रम सिंह, डीआईजी एस चनप्पा व नगर आयुक्त् जलभराव का निरीक्षण करने पहुंचे। पिछले दिनों बारिश में जहां सबसे अधिक जलभराव हुआ था, उन्हीं स्थानों पर गए लेकिन आज पानी नहीं मिला। विजय चौक से अलीनगर मार्ग पर सावित्री हास्पिटल के सामने के मोहल्ले में मेयर व अधिकारी पैदल ही घूमे। सुमेर सागर-इलाहीबाग नाले के किनारे-किनारे निरीक्षण किया और वहां स्थित घरों में मौजूद लोगों को बुलाकर बात की।

मकान पर गिरा 80 साल पुराना पेड़

गोरखपुर। गोरखपुर के वार्ड नंबर 48 के धर्मशाला स्थित जटेपुर दक्षिणी काली मंदिर गली में शनिवार को तेज आंधी-तूफान के बीच करीब 80 साल पुराना पाकड़ का पेड़ अचानक भरभराकर एक मकान पर गिर गया। जिस समय हादसा हुआ, घर के अंदर करीब 5-7 लोग मौजूद थे। पेड़ गिरने से मकान का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मोहल्ले में अफरातफरी मच गई।

तेज हवाओं के बीच महिला पर गिरा यूकेलिप्टस का पेड़



तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। शनिवार को सुर्जनपुर गांव में तेज हवा के चलते एक यूकेलिप्टस का पेड़ अचानक गिर गया। पेड़ की चपेट में आने से घर के बाहर मौजूद 40 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगंज लेकर पहुंचे जहां पर डॉक्टरों ने उपचार देकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, सुर्जनपुर गांव निवासी गुल्लो पत्नी शलीम, उम्र करीब 40 वर्ष, शनिवार को अपने घर के बाहर मौजूद थीं। इसी दौरान लगातार बारिश के बीच तेज हवाएं चलने लगीं। तेज हवा के झोंके के कारण घर के पास लगा यूकेलिप्टस का पेड़ अचानक उखड़कर जा गिरा। पेड़ की चपेट में आने से गुल्लो गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा होते ही आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और कड़ी मशक्कत के बाद महिला को पेड़ के नीचे से बाहर निकाला। परिजनों व ग्रामीणों की मदद से घायल महिला को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगंज पहुंचाया गया।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ बीएचयू में विरोध

वाराणसी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर चल रहे राजनीतिक और चुनावी विवाद के बीच बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में छात्र संगठनों ने शनिवार को अलग-अलग स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। NSUI-BHU ने आर्ट्स फैकल्टी में प्रदर्शन किया, जबकि समाजवादी छात्र सभा, BHU महिला महाविद्यालय चौराहे पर विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान NSUI छात्र कार्यकर्ताओं ने चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं, मतदाता सूची से जुड़े सवालों और चुनाव आयोग की पारदर्शिता को लेकर विरोध दर्ज कराया। संगठन ने आरोप लगाया कि चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ियों के कारण लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने इन आरोपों की जांच और चुनाव आयोग की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की।

कहीं बिजली लाइन पर गिरे पेड़ तो कहीं खेतों में बिछी धान की फसल, किसानों की बढ़ी चिंता

बारिश और तेज हवा ने सूरतगंज क्षेत्र में मचाई तबाही

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। लगातार बरसात और हवाओं के चलते क्षेत्र के कई स्थानों पर पेड़ टूटकर विद्युत लाइनों पर गिर गए। कहीं बबूल का पेड़ बिजली के तारों पर गिरा तो कहीं नीम, अर्जुन और शीशम के पेड़ों के गिरने से विद्युत व्यवस्था प्रभावित हुई। कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोगों को घंटों अंधेरे में रहना पड़ रहा है।

तेज हवा के बीच पेड़ों के विद्युत लाइनों पर गिरने से कई जगह तार टूट गए और बिजली के खंभों पर भी दबाव पड़ा। ग्रामीणों के अनुसार लगातार बारिश के कारण विद्युत व्यवस्था बहाल करने में भी दिक्कतें आ रही हैं। बिजली न होने से घरों में पानी की व्यवस्था, मोबाइल चार्जिंग और अन्य जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से जल्द से जल्द क्षतिग्रस्त लाइनों को दुरुस्त कर आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है।



क्षेत्र के किसानों ने प्रशासन से बारिश और तेज हवा से हुए नुकसान का स्थलीय सर्वे कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि खेतों में जाकर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाए, ताकि जिन किसानों की फसल को नुकसान हुआ है, उन्हें नियमानुसार राहत मिल सके।



खेतों में बिछ गई धान की फसल

लगातार बारिश और तेज हवाओं का सबसे अधिक असर किसानों की तैयार खड़ी धान की फसल पर पड़ा है। तेज हवाओं के कारण कई खेतों में धान की फसल जमीन पर बिछ गई है। इसके बाद लगातार बारिश होने से खेतों में पानी भरने लगा है। किसानों का कहना है कि यदि बारिश का सिलसिला इसी तरह जारी रहा और खेतों से पानी नहीं निकला तो बिछी हुई धान की फसल सड़ने और खराब होने का खतरा बढ़ जाएगा।किसानों के मुताबिक धान की फसल तैयार होने के समय मौसम ने अचानक करवट ले ली। खेतों में फसल तैयार करने के लिए किसानों ने बीज, खाद, दवा, सिंचाई और मजदूरी पर काफी खर्च किया है। अब फसल के गिरने और पानी में डूबने से उनकी मेहनत पर संकट खड़ा हो गया है।

लगातार बारिश और तेज हवाओं के बीच एक गरीब परिवार की पूरी जिंदगी उजड़ी

युवक पर काल बनकर गिरा पेड़ मौके पर मौत

तमसा संकेत, संवाददाता



सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में शनिवार को लगातार हो रही बारिश और तेज हवाओं के बीच एक दर्दनाक हादसे ने एक गरीब परिवार की पूरी जिंदगी उजाड़ दी। छेदा बाजार से दूध बेचकर बाइक से घर लौट रहे 35 वर्षीय दूध कारोबारी संजय वर्मा पर झबरापुर गांव के पास सड़क किनारे खड़ा भारी-भरकम पेड़ अचानक काल बनकर गिर पड़ा। पेड़ की चपेट में आने से संजय बाइक समेत उसके नीचे दब गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे की खबर फैलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने पेड़ हटाकर उन्हें बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं।

संजय वर्मा सीतापुर जिले के मानापुर मुर्तजा नगर निवासी बताए गए हैं। वह दूध बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है और उनके पास मात्र करीब डेढ़ बीघा खेती की जमीन है। खेती से परिवार की जरूरतें पूरी न होने के कारण संजय रोजाना दूध का कारोबार करते थे। इसी मेहनत और कमाई से घर का चूल्हा जलता था।

शनिवार को भी संजय रोज की तरह दूध लेकर छेदा बाजार गए थे। वहां दूध बेचने के बाद वह बाइक से अपने घर की ओर लौट रहे थे। क्षेत्र में पिछले कई दिनों से लगातार बारिश के साथ तेज हवाएं चल रही थीं। संजय छेदा-पारा संपर्क मार्ग से होते हुए झबरापुर गांव के पास पहुंचे ही थे कि अचानक सड़क किनारे खड़ा विशाल पेड़ तेज हवा के बीच उनकी बाइक पर जा गिरा।





घटना की सूचना पुलिस और प्रशासन को दी गई। हादसे की जानकारी मिलते ही राजस्व विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। नायब तहसीलदार के नेतृत्व में टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर हादसे की स्थिति और नुकसान का जायजा लिया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से भी घटना के संबंध में जानकारी जुटाई।

कुछ ही सेकंड में खत्म हो गई जिंदगी की जद्दोजहद

पेड़ गिरने की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। बाइक पेड़ के नीचे पूरी तरह दब गई थी और संजय भी उसके नीचे फंस गए थे। ग्रामीणों ने तत्काल पेड़ की डालियां हटाने और उन्हें बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकालने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

36 हजार करोड़ का गंगा एक्सप्रेसवे बना 'स्वीमिंग पूल'

भरा 3 फीट पानी यूजर्स बोले- सड़कमार्ग या जलमार्ग?

तमसा संकेत, एजेंसी



बिछिया (उन्नाव)। गंगा एक्सप्रेसवे पर दही क्षेत्र में शनिवार को सोनिक और बशीरतगंज टोल प्लाजा पर तीन फीट गहरा पानी भर गया। जलभराव गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर भी भर गया। लगभग आधा किमी तक भरे पानी के कारण यहां से छोटे वाहनों का आवागमन लगभग बंद हो गया। वहीं भारी वाहन चालक भी रोजाना की तरह दो दिन से कम निकल रहे हैं। सर्विस लेन में पानी भरने के कारण बशीरतगंज जाने का मार्ग भी अवरुद्ध हो गया। जिससे स्थानीय लोग मार्केट तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

पिछले वर्ष की बारिश में भी ऐसी ही स्थिति उत्पन्न हुई थी, तब 15 दिनों तक ट्रैक्टर और ट्यूबवेल की मदद से पानी निकाला गया था, जिसमें तीन लाख से अधिक खर्च आया था। बावजूद कार्यदाई संस्था पटेल इंफ्रास्ट्रक्चर ने इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। जिसके परिणामस्वरूप यह स्थिति फिर से सामने आई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि 50 मीटर लंबी व पांच फीट ऊंची कंक्रीट की दीवार बनाई जाती, तो यह समस्या स्थायी रूप से समाप्त हो सकती थी। लेकिन समस्या को नजरंदाज करने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। जिससे वर्षा के दौरान यह समस्या बार-बार सामने आती रहेगी। अडाणी ग्रुप के अधिकारी संजीव तिवारी ने बताया कि पानी निकालने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन अधिक बारिश होने पर क्या किया जाए। यह एक चुनौती है।

सुनवाई : बृजभूषण बोले- महिला पहलवानों ने दी है फैसले को चुनौती, सुनवाई 28 सितंबर को

कोर्ट जाना उनका अधिकार मामले में सच्चाई नहीं : बृजभूषण

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा । भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवान फिर से कोर्ट पहुंच गई हैं। शुक्रवार (25 सितंबर) को यौन शोषण केस में चार महिला पहलवानों ने दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में अपील दाखिल की है। मामले की सुनवाई आज यानी शनिवार को स्पेशल जज दिगविनय सिंह की अदालत में होनी थी। लेकिन जज के किसी कार्यक्रम में जाने के कारण ये सुनवाई टल गई। अब 28 सितंबर को सुबह 11:00 बजे सुनवाई होगी।

3 अगस्त को कोर्ट ने बृजभूषण को बरी कर दिया। फैसले के बाद बृजभूषण ने कहा-जज ने कहा कि बृजभूषण और विनोद तोमर आप लोगों को बाइज्जत बरी किया जाता है। मैंने पहले कहा था कि अगर कोई आरोप साबित हो जाएगा तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। मेरे लिए खुशी का दिन है। होइहि सोइ जो राम रचि राखा। फैसले में यौन उत्पीड़न की पीड़िताओं के 'अपेक्षित' व्यवहार को लेकर पुरानी और रूढ़िवादी धारणाओं को आधार बनाया गया, जबकि पीड़िताओं की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सबूतों का निष्पक्ष और तथ्यपरक आकलन किया जाना चाहिए था।



महिला पहलवानों ने याचिका में कहा कि निचली अदालत का फैसला कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। इसमें रिकॉर्ड पर मौजूद सबूतों का स्पष्ट रूप से गलत और चुनिंदा तरीके से आकलन किया गया है। निचली अदालत का फैसला अनुमान और अटकलों पर आधारित है। इसमें कानून के स्थापित और बाध्यकारी सिद्धांतों को लागू नहीं किया गया।

2023 में पहली बार लगे थे यौन उत्पीड़न के आरोप

यह मामला 2023 में सामने आया था। 6 महिला पहलवानों ने बृजभूषण सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। इसमें एक नाबालिग थी। FIR नहीं होने पर पहलवानों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था। सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद अप्रैल 2023 में FIR दर्ज की गई। बाद में नाबालिग पहलवान ने शिकायत वापस ले ली थी।



127 सुनवाई और 32 गवाही के बाद आया था फैसला

बृजभूषण 20 जुलाई, 2023 से नियमित जमानत पर थे। 10 मई, 2024 को अदालत ने दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के आधार पर आरोप तय किए थे, जिसके बाद ट्रायल शुरू हुआ था। 2 जुलाई, 2026 को दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। मामले में कुल 1133 दिनों में 127 सुनवाई हुईं। 32 गवाहों के बयान दर्ज किए गए।

सरयू-घाघरा का फिर तेज हुआ कटान, पशु चिकित्सालय की बाउंड्री नदी में समाने लगी

नदी का जलप्रवाह तेज होने के साथ ही किनारों पर कटान भी तेजी से बढ़ गया है

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक क्षेत्र के हेतमापुर में लगातार हो रही तेज बारिश के बीच सरयू-घाघरा नदी ने एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। नदी का जलप्रवाह तेज होने के साथ ही किनारों पर कटान भी तेजी से बढ़ गया है। हेतमापुर गांव के पास स्थित पशु चिकित्सालय की बाउंड्री नदी की तेज धारा की चपेट में आकर धीरे-धीरे कटकर नदी में समाने लगी है। इससे आसपास रहने वाले ग्रामीणों में एक बार फिर चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों के मुताबिक, पिछले कई दिनों से नदी के जलस्तर और बहाव में उतार-चढ़ाव के बीच कटान का सिलसिला लगातार जारी है। तेज बारिश के बाद नदी की धारा और अधिक वेगवान हो गई है। इसी के चलते हेतमापुर क्षेत्र में नदी किनारे की जमीन तेजी से कट रही है। पशु चिकित्सालय परिसर की बाउंड्री के नीचे की जमीन कटने के बाद अब उसका हिस्सा नदी की ओर झुकने लगा है। ग्रामीणों को आशंका है कि यदि कटान इसी गति से जारी रहा तो चिकित्सालय की बाउंड्री का बड़ा हिस्सा नदी में समा सकता है।



सरयू-घाघरा नदी के लगातार बढ़ते कटान का असर इससे पहले भी हेतमापुर क्षेत्र में दिखाई दे चुका है। नदी की तेज धार में कब्रिस्तान का हिस्सा और कई बीघे कृषि भूमि पहले ही समा चुकी है। किसानों की वर्षों की मेहनत से तैयार जमीन नदी की धारा में कटकर खत्म हो गई, जिससे ग्रामीणों के सामने जमीन बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। कटान के चलते नदी लगातार अपना रास्ता बदलती हुई आबादी और महत्वपूर्ण स्थानों की ओर बढ़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी ढंग से कटान रोकने के इंतजाम नहीं किए गए तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। लगातार हो रही बारिश और नदी के तेज बहाव के कारण हेतमापुर सहित आसपास के गांवों के ग्रामीण भी सहमे हुए हैं। ग्रामीण नदी के किनारे हो रहे कटान पर नजर बनाए हुए हैं। उनका कहना है कि बारिश के दौरान नदी का बहाव अचानक तेज होने से किनारे की मिट्टी तेजी से खिसक रही है।

17 घंटे से अधिक समय से कई गांव अंधेरे में, सड़क पर पेड़ गिरने से यातायात ठप

बारिश बनी आफत

सतर्क

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। दो दिन से हो रही बारिश शनिवार को तेज हवा के साथ और परेशानी लेकर आई। जिले में जगह-जगह पेड़ गिरने से सड़कें बंद हो गईं। बिजली के खंभे टूटने से कई इलाकों में आपूर्ति ठप रही। टांडा क्षेत्र के औझीपुर उपकेंद्र से जुड़े गांवों में 17 घंटे से अधिक समय तक बिजली नहीं रही। कई मार्गों पर वाहन फंसे रहे। डीएलएड परीक्षा देने निकले परीक्षार्थियों को भी रास्ते में परेशानी उठानी पड़ी।

टांडा क्षेत्र में तुरसमपुर सोसाइटी के पास पेड़ बिजली के तार पर गिर गया। इससे खंभा टूट गया और औझीपुर उपकेंद्र की मेन सप्लाई शुक्रवार रात से बंद है।

तरौली मुबारक, मुंडेरा, धौराहरा, उत्तरी व दक्षिणी भूलेपुर और हंसवर फीडर की आपूर्ति प्रभावित रही। हंसवर, भूलेपुर, हीरापुर, काजीपुर और कटोखर बाजार समेत कई इलाकों में भी बिजली नहीं रही। आपूर्ति ठप होने से लोगों के रोजमर्रा के काम प्रभावित हुए। बारिश के कारण बाजारों में आवाजाही कम रही। दुकानों का कारोबार प्रभावित हुआ। निर्माण कार्य रुकने से दिहाड़ी मजदूरों के सामने काम का संकट खड़ा हो गया। खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचने से किसानों की चिंता भी बढ़ी है। जिलाधिकारी ईशा प्रिया के निर्देश पर संबंधित अधिकारी प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति देख रहे हैं। सड़कों से गिरे पेड़ हटवाने की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने पेड़ गिरने, जलभराव या आवागमन बाधित होने की सूचना पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।



बनगांव रोड पर लगी वाहनों की कतार

अकबरपुर तहसील के बनगांव रोड पर रेलवे क्रॉसिंग के पास पेड़ गिरने से मुख्य मार्ग बंद हो गया। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। बारिश के बीच राहगीरों और बाइक सवारों को परेशानी हुई। तेंदुआई कला गांव में भी पेड़ बिजली के तार और खंभे पर गिर गया। इससे खंभा झुक गया और बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

कहीं बिजली गुल तो कहीं रास्ते बंद





जलालपुर-बसखारी मार्ग पर सरस्वती शिशु मंदिर के पास आम का बड़ा पेड़ सड़क पर गिर गया। मार्ग बंद होने से डीएलएड परीक्षा देने जा रहे छात्रों को हीरालाल जायसवाल इंटर कॉलेज पहुंचने में परेशानी हुई।

जहांगीरगंज-कमरिया मार्ग पर घंटों बंद रहा रास्ता

आलापुर तहसील के जहांगीरगंज-कमरिया मार्ग पर तेज हवा के कारण विशाल पेड़ सड़क पर गिर गया। इससे मार्ग कई घंटे बाधित रहा। सड़क के दोनों ओर वाहन फंस गए। बाबरा निवासी पवन कुमार उपाध्याय, जयराम, श्रीराम और हरिद्वार ने बताया कि जाम में लोग काफी देर तक फंसे रहे। पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से पेड़ हटाने का काम शुरू कराया गया।

प्रतापगढ़ जाने से पहले हुए आलापुर विधायक हाउस अरेस्ट

सपा के 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे त्रिभुवन दत्त

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। प्रतापगढ़ में पुलिस हिरासत में युवक की मौत के मामले में शनिवार को सपा के प्रतिनिधिमंडल के साथ जाने वाले आलापुर विधायक त्रिभुवन दत्त को अकबरपुर पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर दिया। विधायक के आवास पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया।

सपा ने मामले की जानकारी लेने के लिए 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गठित किया है। प्रतिनिधिमंडल को 26 सितंबर को प्रतापगढ़ के पट्टी थाना क्षेत्र के मोलनापुर पहुंचकर मृतक के परिजनों से मुलाकात करनी थी। इसके बाद घटना से जुड़ी जानकारी लेकर रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को सौंपनी है।



सपा की ओर से गठित प्रतिनिधि-मंडल में आलापुर विधायक त्रिभुवन दत्त को भी शामिल किया गया है। प्रतिनिधिमंडल को मोलनापुर पहुंचकर मृतक के परिवार से मुलाकात करनी थी। इसी बीच शनिवार को अकबरपुर पुलिस ने विधायक को उनके आवास पर हाउस अरेस्ट कर दिया। आवास के बाहर पुलिस बल की तैनाती रही। प्रतापगढ़ के पट्टी थाना क्षेत्र के मोलनापुर निवासी शैलेश गौतम उर्फ अर्जुन की पुलिस हिरासत में मौत के बाद मामला चर्चा में है। इसी प्रकरण में सपा ने प्रतिनिधिमंडल भेजने का निर्णय लिया है। प्रतिनिधिमंडल की जिम्मेदारी घटना की जानकारी लेने और मृतक के परिजनों से मुलाकात के बाद रिपोर्ट तैयार कर प्रदेश कार्यालय को सौंपने की है।

फास्ट न्यूज

तेज आंधी-बारिश ने बिगाड़े हालात

गोरखपुर। गोरखपुर में तीन दिन से लगातार हो रही बारिश ने जमीन को पूरी तरह भिगो दिया था। शुक्रवार देर रात तेज आंधी चली तो कमजोर हो चुकी मिट्टी पेड़ों की जड़ें नहीं संभाल सकी। देखते ही देखते कई जगह बड़े पेड़ जड़ से उखड़कर सड़कों और घरों पर जा गिरे। रातभर चली आंधी-बारिश से शहर के कई इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। लोग घरों में दुबके रहे, जबकि कई इलाकों में रास्ते बंद हो गए और बिजली आपूर्ति ठप हो गई।

श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण, कल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

अम्बेडकरनगर। श्रम विभाग के नेतृत्व में शनिवार को मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, टांडा के परिसर में श्रमिक स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में श्रमिकों का ओपीडी और स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। साथ ही उन्हें श्रम विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और श्रमिक हित से जुड़े प्रावधानों की जानकारी दी गई। शिविर के दौरान श्रमिकों को ई-श्रम पोर्टल, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना समेत अन्य श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया गया।

10 साल की बच्ची से रेप-हत्या केस

गोरखपुर। गोरखपुर जिला अस्पताल से 10 साल की बच्ची अगवाकर रेप और हत्या के मामले में कोर्ट की कार्रवाई में एक नया मोड़ आया है। शुक्रवार को अभियोजन पक्ष ने कोर्ट में अर्जी देकर मांग की कि सरस्वती विद्या मंदिर चिउटहा की प्रिंसिपल गरिमा उपाध्याय को दोबारा गवाही के लिए बुलाया जाए। यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि पेनड्राइव में रखी स्कूल के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को कोर्ट के सामने अहम साक्ष्य के रूप में रखा जा सके।

बारिश से खेतों में नुकसान, डीएम-एसपी ने मौके पर परखी फसलों की स्थिति

प्रभावित इलाकों में पहुंचकर किसानों से किया संवाद

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। लगातार बारिश के बीच शनिवार को जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह खेतों तक पहुंचीं। दोनों अधिकारियों ने अकबरपुर और भीटी तहसील क्षेत्र के प्रभावित इलाकों का स्थलीय निरीक्षण किया। खेतों में जलभराव और बारिश से फसलों पर पड़े असर को देखा। किसानों से बातचीत कर नुकसान और उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने संबंधित अधिकारियों से प्रभावित फसलों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि बारिश से हुए फसल नुकसान की निगरानी लगातार की जाए। क्षति का नियमानुसार आकलन कर प्रभावित किसानों को अनुमन्य सहायता और फसल क्षतिपूर्ति दिलाने के लिए कार्रवाई की जाए। किसानों की समस्याओं के निस्तारण में किसी तरह की देरी न हो, इसके भी निर्देश दिए गए।



डीएम ने किसानों से अपील की कि बारिश से फसल को हुए नुकसान की सूचना 72 घंटे के भीतर टोल फ्री नंबर 14447 पर दर्ज कराएं। इससे फसल क्षति से संबंधित प्रक्रिया में आवश्यक कार्रवाई की जा सकेगी।

जिला प्रशासन ने आपातकालीन स्थिति में 1077 पर सूचना देने को कहा है। डीएम ने अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों पर नजर रखने और जरूरत के अनुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अपराध पर नजर, कानून-व्यवस्था पर फोकस एसपी ने अफसरों को दिए टास्क

कैम्प कार्यालय में राजपत्रित अधिकारियों के साथ समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने शुक्रवार को कैम्प कार्यालय में राजपत्रित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में जिले में अपराध नियंत्रण से जुड़े बिंदुओं की समीक्षा की गई। एसपी ने अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में स्थिति पर नजर रखने और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कानून-व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों से समीक्षा की गई। एसपी ने संबंधित अधिकारियों को अपने क्षेत्र में सतर्कता बनाए रखने और सामने आने वाले मामलों में नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा। समीक्षा बैठक में जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण को लेकर भी निर्देश दिए गए। एसपी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा।



उन्होंने पुलिस कार्यप्रणाली से जुड़े मामलों में आवश्यक कार्रवाई के साथ जनसमस्याओं के समाधान पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में जनपद के राजपत्रित अधिकारी मौजूद रहे।

रेबीज दिवस पर कुत्तों का होगा मुफ्त टीकाकरण

28 सितंबर को सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अंतरराष्ट्रीय रेबीज दिवस पर पशुपालन विभाग की ओर से 28 सितंबर को जिले में कुत्तों के लिए निशुल्क रेबीज टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के पांच राजकीय पशु चिकित्सालयों में टीकाकरण किया जाएगा। अभियान सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक चलेगा।

टीकाकरण के लिए राजकीय सदर पशु चिकित्सालय अकबरपुर, टांडा, जलालपुर, भियांव (रत्ना) और जहांगीरगंज को केंद्र बनाया गया है। इन केंद्रों पर पालतू और निराश्रित कुत्तों का निशुल्क टीकाकरण किया जाएगा।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने कुत्ता पालने वाले लोगों से अपने पालतू कुत्तों को निर्धारित केंद्रों पर लाने की अपील की है। उन्होंने नगर पालिका और नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारियों को निराश्रित कुत्तों को पकड़वाकर संबंधित पशु चिकित्सालयों तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।



पशुपालन विभाग के अनुसार रेबीज विषाणु से होने वाली बीमारी है। संक्रमित कुत्ते के काटने से मनुष्य और अन्य पशुओं में भी संक्रमण का खतरा रहता है। इसी को देखते हुए अभियान के तहत कुत्तों का टीकाकरण कराया जाएगा। टीकाकरण से पहले केंद्र पर कुत्तों का पंजीकरण किया जाएगा।

संचारी रोगों पर वार की तैयारी

फॉगिंग और एंटी लार्वा छिड़काव तेज करने के निर्देश, डीएम ने की अभियान की समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान 2026 की समीक्षा बैठक हुई। अभियान एक से 31 अक्टूबर तक चलेगा। बैठक में विभागवार तैयारियों और कार्ययोजना की समीक्षा की गई।

नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में हाईरिस्क स्थानों को चिह्नित कर विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए। अधिशासी अधिकारियों और खंड विकास अधिकारियों को नियमित भ्रमण करने को कहा गया।

अधिकारियों को साफ-सफाई, जलभराव और मच्छरजनित रोगों की रोकथाम से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को मिलावटी खाद्य सामग्री के खिलाफ नियमित जांच और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वहीं एबीएसए को जिला उद्यान अधिकारी से समन्वय कर विद्यालयों में गेंदा सहित मच्छररोधी पौधे लगवाने को कहा गया। रोस्टर के अनुसार कार्रवाई के लिए एडीओ पंचायत और बेसिक शिक्षा विभाग के बीच समन्वय बनाने के निर्देश दिए गए। डीएम ने अधिकारियों को अभियान को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अंतरविभागीय समन्वय के साथ धरातल पर कार्रवाई और उसकी नियमित निगरानी पर जोर दिया।



डीएम ने सभी संबंधित विभागों को 27 सितंबर तक अपनी विभागीय कार्ययोजना अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि पिछले अभियान में जिन स्थानों पर कार्रवाई की गई थी, इस बार उनसे अलग क्षेत्रों को भी कार्ययोजना में प्राथमिकता दी जाए।

30 सितंबर तक दवा उपलब्ध कराने के निर्देश

डीएम ने सभी एडीओ पंचायतों को निर्देश दिए कि 30 सितंबर तक जिला प्रतिरक्षण अधिकारी से फॉगिंग और एंटी लार्वा की दवा प्राप्त कर लें। जिला पंचायत राज अधिकारी को प्राथमिक विद्यालयों में फॉगिंग और एंटी लार्वा छिड़काव के लिए पांच दिन का रोस्टर तैयार कराने को कहा गया।

नुक्कड़ नाटक से दिया बधिरता की जल्द पहचान का संदेश

मेडिकल कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह के तहत आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज के ईएनटी विभाग की ओर से शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एमबीबीएस बैच 2022 के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के जरिए बच्चों में बधिरता की शीघ्र पहचान, समय पर जांच और उपचार के बारे में लोगों को जानकारी दी। इस दौरान कॉक्लियर इम्प्लांट की उपयोगिता भी बताई गई। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने सरल तरीके से समझाया कि बच्चों में सुनने से जुड़ी समस्या के संकेत मिलने पर समय पर जांच कराना जरूरी है। उचित समय पर पहचान और चिकित्सकीय हस्तक्षेप से उपचार की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। कॉक्लियर इम्प्लांट की भूमिका के बारे में भी लोगों को जानकारी दी गई। यंक्रम के दौरान ईएनटी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुशील कुमार शर्मा ने बच्चों में बधिरता की शीघ्र पहचान और समय पर हस्तक्षेप के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभिभावकों को बच्चों में सुनने से संबंधित किसी भी समस्या के संकेत को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।



कार्यक्रम का उद्देश्य 'बधिरता की शीघ्र पहचान—समय पर हस्तक्षेप' का संदेश आमजन तक पहुंचाना रहा। अभिभावकों से बच्चों में सुनने से संबंधित समस्या के संकेत मिलने पर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेने को कहा गया। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. मुकेश यादव, ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार यादव, सहायक आचार्य डॉ. चंद्रभान और डॉ. सुशील कुमार शर्मा का मार्गदर्शन व सहयोग रहा।

मंत्री-डीएम के निर्देश के बाद भी नहीं हटा कब्जा

अब मुख्यमंत्री दरबार पहुंचा मामला

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। कटेहरी बाजार में घर के सामने पीडब्ल्यूडी की जमीन पर कथित कब्जे का मामला अब मुख्यमंत्री तक पहुंच गया है। पीड़ित सत्यम ने गोरखपुर में मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में पहुंचकर शिकायत की। मुख्यमंत्री ने शिकायत सुनकर मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए।

पीड़ित का आरोप है कि दबंगों ने पीडब्ल्यूडी की जमीन पर पक्का निर्माण कर टीनशेड डाल दिया है। इससे उसके घर का सहन और दरवाजा बंद हो गया है। कब्जा हटाने की शिकायत करने पर मारपीट की धमकी देने का भी आरोप है। सत्यम ने 17 सितंबर को मंत्री ओम प्रकाश राजभर से मुलाकात कर मामले की शिकायत की थी। पीड़ित के मुताबिक, मंत्री ने जिलाधिकारी को कब्जा हटवाने के निर्देश दिए थे। शिकायत के आठ दिन बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया। पीड़ित का कहना है कि करीब 15 दिन पहले पीडब्ल्यूडी की टीम कब्जा हटाने के लिए मौके पर पहुंची थी। हालांकि, टीम कार्रवाई किए बिना वापस लौट गई। पीड़ित का आरोप है कि पीडब्ल्यूडी की जमीन पर कब्जे की जानकारी होने के बावजूद विभाग अब तक अतिक्रमण नहीं हटा सका है।



समारोह : अलग-अलग स्थलों पर एक साथ हुए सामूहिक विवाह

पहले सजी वरमाला, फिर अग्नि के फेरे

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शनिवार को जिले में 443 जोड़ों के विवाह कराए गए। विकासखंड और नगरीय निकाय स्तर पर अलग-अलग विवाह स्थल सजाए गए। निर्धारित स्थलों पर वर-वधू ने परंपरागत रीति-रिवाज के अनुसार विवाह की रस्में पूरी कीं। कहीं हवन-पूजन के बीच वैवाहिक कार्यक्रम हुआ तो योजना के तहत शामिल अन्य जोड़ों के विवाह उनके निर्धारित धार्मिक रीति-विधान से कराए गए। परिजन भी विवाह समारोह में शामिल रहे।

विवाह स्थलों पर वर-वधू को निर्धारित स्थान पर बैठाकर वैवाहिक प्रक्रिया पूरी कराई गई। हिंदू जोड़ों के विवाह में हवन-पूजन और मंत्रोच्चार के साथ वैवाहिक रस्में संपन्न हुईं। वर-वधू ने अग्नि के समक्ष विवाह की रस्में पूरी कीं। इसके बाद दोनों को नवदांपत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

सामूहिक आयोजन होने के कारण एक ही परिसर में कई जोड़ों की वैवाहिक रस्में पूरी कराई गईं। इससे अलग-अलग परिवारों के लिए एक साथ विवाह समारोह का आयोजन हुआ। अकबरपुर विकासखंड और नगर पालिका के संयुक्त आयोजन में पहितीपुर रोड, शहजादपुर स्थित जय श्री लॉन्स एंड गेस्ट हाउस में 68 जोड़ों का विवाह कराया गया। बसखारी और अशरफपुर किछौछा के संयुक्त कार्यक्रम में बरियावन के पैराडाइज गार्डेन में 42 जोड़ों की शादी हुई। भियांव विकासखंड के बंदीपुर स्थित जगर देव बाबा मंदिर परिसर में 54 जोड़ों का विवाह कराया गया। जहांगीरगंज विकासखंड, राजेसुल्तानपुर और जहांगीरगंज नगर पंचायत के संयुक्त आयोजन में तेंदुआईकला स्थित आदित्य मैरिज हॉल में 56 जोड़ों का विवाह हुआ।





भीटी में 40 जोड़ों का विवाह

विकासखंड भीटी के राम जानकी मैरिज हॉल में 40 जोड़ों का विवाह कराया गया। यहां जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह मौजूद रहीं। उपजिलाधिकारी भीटी, खंड विकास अधिकारी समेत अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

रस्मों के बीच 443 जोड़ों ने रचाया ब्याह
हवन-पूजन और परंपरागत विधि-विधान से पूरी हुईं रस्में

दूध की गुणवत्ता पर उठे सवाल नमूने लेकर जांच कराने की मांग

जहांगीरगंज में घर-घर और डेयरी से हो रही दूध की बिक्री

तमसा संकेत, संवाददाता

जहांगीरगंज (अम्बेडकरनगर)। नगर पंचायत जहांगीरगंज क्षेत्र में दूध की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। घर-घर और डेयरी के माध्यम से दूध की बिक्री हो रही है। स्थानीय लोगों ने कुछ स्थानों पर दूध की गुणवत्ता संदिग्ध होने की आशंका जताई है। हालांकि दूध के सेवन से किसी स्वास्थ्य समस्या के होने की पुष्टि अभी नहीं हुई है।

लोगों का कहना है कि दूध की गुणवत्ता की जांच के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग को क्षेत्र में अभियान चलाना चाहिए। दूध के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जाए, ताकि मिलावट की स्थिति स्पष्ट हो सके। स्थानीय लोगों के अनुसार बच्चों समेत कुछ लोगों को दूध के सेवन के बाद स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने की बात सामने आई है। हालांकि इन समस्याओं का कारण दूध ही है, इसकी पुष्टि किसी जांच या स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट से नहीं हुई है। लोगों ने जिला प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग से दूध के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। जांच रिपोर्ट के आधार पर ही दूध की गुणवत्ता और मिलावट की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।



मिलावट की आशंका पर लोगों ने जताई चिंता

सम्पादकीय

अनुत्तरित प्रश्न



एक ऐसे समय जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार विपक्ष के निशाने पर हैं और वह उनसे इस्तीफा मांगने में लगा हुआ है, तब किसी को दोनों चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी से इस प्रश्न का उत्तर भी मांगना चाहिए कि आखिर उन्होंने अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कथित मनमाने फैसलों के खिलाफ एकजुट होकर वोट क्यों नहीं किया? चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार फैसले या तो सहमति से होते हैं या फिर बहुमत से। यदि दोनों चुनाव आयुक्त चाह लें कि मुख्य चुनाव आयुक्त के किसी प्रस्ताव या सुझाव पर अमल नहीं होना चाहिए तो वे उसके खिलाफ वोट कर उसे निष्प्रभावी कर सकते हैं। आखिर उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया? क्यों न यह मान लिया जाए कि जिन फैसलों पर पहले उन्होंने असहमति जताई, उन पर बाद में सहमत हो गए, जैसा कि चुनाव आयोग की ओर से जारी स्पष्टीकरण में कहा गया है? यदि ऐसा ही हुआ तो फिर हंगामा क्यों और यदि ऐसा नहीं हुआ तो दोनों चुनाव आयुक्त सामने आकर स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं करते? दोनों चुनाव आयुक्तों को इस प्रश्न का भी उत्तर देना चाहिए कि आखिर उन्होंने अपनी शिकायती चिट्ठी कैबिनेट सचिव को क्यों भेजी? क्या उन्हें यह ज्ञात नहीं था कि वे कैबिनेट सचिव के अधीन काम नहीं करते? जब कैबिनेट सचिव चुनाव आयोग के कामकाज में कोई हस्तक्षेप कर ही नहीं सकते तो फिर उन्हें चिट्ठी लिखने का क्या औचित्य?

यदि दोनों चुनाव आयुक्तों को इस आशय की चिट्ठी किसी को लिखनी ही थी कि उनकी जानकारी के बिना काम हो रहा है अथवा कथित तौर पर असंवैधानिक फैसले लिए जा रहे हैं तो वह राष्ट्रपति को लिखनी चाहिए थी। यही नियम कहता है और इसका एक उदाहरण भी मौजूद है। एक समय मुख्य चुनाव आयुक्त एन गोपालस्वामी ने चुनाव आयुक्त नवीन चावला के कामकाज से नाखुश होकर उनके खिलाफ राष्ट्रपति को चिट्ठी लिखी थी। स्पष्ट है कि दोनों चुनाव आयुक्तों की चुप्पी विपक्ष को बल प्रदान कर रही है।

चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा की रक्षा करना और उसे अपुष्ट-अनर्गल आरोपों से बचाना अकेले मुख्य चुनाव आयुक्त की जिम्मेदारी नहीं। यह जिम्मेदारी दोनों चुनाव आयुक्तों की भी है। जहां तक विपक्ष की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करने की बात है तो इससे कुछ हासिल होने वाला नहीं है। इस धरना-प्रदर्शन का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को अविश्वसनीय बताना है। विपक्ष यह माहौल बनाने की कोशिश में है कि उसे चुनावों में वांछित सफलता इसलिए नहीं मिल रही है, क्योंकि चुनाव निष्पक्ष तरीके से नहीं होते। यह और कुछ नहीं बिना किसी ठोस प्रमाण एक संवैधानिक संस्था को बदनाम करने का अभियान है। विपक्ष यह अभियान पहले भी चला चुका है और उसे नाकामी ही मिली है।

लोकतंत्र की बुनियाद पर चोटः जब कानून के रक्षक ही बनने लगें भक्षक



> 66
> आजादी के बाद से हमने एक ऐसे कल्याणकारी राज्य की कल्पना की थी, जहां समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास की किरणें पहुंचेंगी। किंतु, धरातल की सच्चाई आज भी इसके विपरीत खड़ी दिखाई देती है।

संवैधानिक मर्यादाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और 'जनता के, जनता द्वारा, जनता के लिए' शासन के संकल्प से निर्मित हमारा गणतंत्र आज एक गंभीर आंतरिक संकट के दौर से गुजर रहा है। यह संकट किसी बाहरी शत्रु का नहीं, बल्कि व्यवस्था की रगों में फैल चुके उस अदृश्य विष का है जिसे हम 'भ्रष्टाचार' कहते हैं। गणतंत्र की नींव लोक-कल्याण, समानता और न्याय पर टिकी होती है, लेकिन जब इस नींव को भ्रष्टाचार रूपी घुन अंदर ही अंदर चाटने लगे, तो लोकतंत्र का भव्य ढांचा बाहर से जितना भी मजबूत दिखाई दे, भीतर से वह खोखला होने लगता है। भ्रष्टाचार केवल धन का अवैध लेन-देन या आर्थिक अपराध नहीं है; यह वास्तव में एक नैतिक पतन है जो आम नागरिक के अधिकारों का हनन करता है और राज्य की संप्रभुता व साख को सीधे तौर पर चुनौती देता है। वैश्विक स्तर पर देखें तो ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत भले ही ९१वें पायदान पर पहुंच गया हो, लेकिन १०० में से ३९ का स्कोर यह साफ दर्शाता है कि हमारा गणतंत्र अभी भी एक गंभीर खतरे के साए में है। जब एक आम नागरिक को अपने मौलिक अधिकारों, बुनियादी सुविधाओं और न्याय के लिए भी रिश्वत या रसूख का सहारा लेना पड़े, तो समझ लेना चाहिए कि गणतंत्र की आत्मा लहूलुहान हो रही है।

हाल ही में सामने आए बड़े वित्तीय अपराधों ने इस बात की पुष्टि की है कि भ्रष्टाचार ने अब एक नया और डिजिटल रूप अख्तियार कर लिया है। भारतीय रिजर्व बैंक की हालिया रिपोर्ट के चौंकाने वाले आंकड़े बताते हैं कि बैंकिंग क्षेत्र में धोखाधड़ी और घोटालों के मामले १०,००० के पार जा चुके हैं, जिनमें ४८,०२१ करोड़ रुपये से अधिक की जनता की गाढ़ी कमाई दांव पर लगी है। यह आंकड़े केवल बैंकिंग धोखाधड़ी के नहीं हैं, बल्कि यह उस भरोसे का कत्ल है जो एक आम आदमी देश के वित्तीय तंत्र पर करता है। प्रशासनिक तंत्र में व्याप्त लालफीताशाही और बड़ी कॉर्पोरेट साठगांठ ने एक समानांतर व्यवस्था खड़ी कर दी है, जहां नीतिगत भ्रष्टाचार के जरिए देश के संसाधनों की खुली लूट हो रही है। लोकतंत्र के सबसे बड़े स्तंभ यानी चुनाव प्रणाली की शुचिता भी आज तीखे राजनीतिक आरोपों के घेरे में है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में (२४ सितंबर, २०२६) एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चुनावी सूचियों में बड़े पैमाने पर हेरफेर का आरोप लगाते हुए इसे ₹वोट चोरी₹ करार दिया है। राहुल गांधी का आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग द्वारा विपक्षी समुदायों, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के नाम जानबूझकर मतदाता सूचियों से हटाए जा रहे हैं और उन्होंने इसे सीधे तौर पर ₹संविधान के खिलाफ बड़ा अपराध और देशद्रोह₹ बताया है। हालांकि, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए राहुल गांधी को ₹भ्रम फैलाने का उस्ताद₹ कहा है और इन दावों को बिना किसी पुख्ता सबूत के राजनीति से प्रेरित बताया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने यूपीआई ट्रांजैक्शन पर लगने वाले शुल्कों और डिजिटल पेमेंट्स को लेकर भी सरकार पर ₹अमेरिकी कंपनियों के दबाव में काम करने₹ और आम जनता को लूटने के नीतिगत भ्रष्टाचार के आरोप मढ़े हैं। इस प्रकार के गंभीर आरोप-प्रत्यारोप और संस्थागत विश्वसनीयता पर उठते सवाल इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि तंत्र के भीतर गहरा अविश्वास पनप रहा है। भ्रष्टाचार का सबसे भयावह रूप हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों और बुनियादी अधिकारों से जुड़े विभागों में देखने को मिलता है। जब शिक्षा, भर्ती और खेल आयोजनों जैसे पवित्र क्षेत्रों में भी भ्रष्टाचार का वायरस घुस जाए, तो गणतंत्र का भविष्य ही दांव पर लग जाता है। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित स्कूल सेवा आयोग भर्ती घोटाले जैसी घटनाएं इसका ज्वलंत उदाहरण हैं, जहां मेधावी छात्र सड़कों पर न्याय के लिए भीख मांगते रहे और अयोग्य लोगों को पैसों के दम पर नौकरियां बांट दी गईं। इतना ही नहीं, खेल जगत से लेकर वित्तीय संस्थानों तक जांच एजेंसियों द्वारा देश के प्रतिष्ठित वित्तीय संस्थानों जैसे एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस से जुड़े १,३२२ करोड़ के कथित ऋण घोटाले की हालिया जांच यह साबित करती है कि बड़ी मछलियां आज भी कानून की नाक के नीचे देश के संसाधनों को खोखला कर रही हैं। जब देश की संपदा और युवाओं का भविष्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है, तो देश के समग्र विकास की गति अवरुद्ध होना अनिवार्य है। इस विकराल समस्या से निपटने के लिए हमारे पास वैधानिक अस्त्रों की कमी नहीं है, लेकिन चिंता का विषय उनका प्रभावी क्रियान्वयन है। भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ मुख्य कवच भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, १९८८ है, जिसमें समय के साथ कड़े बदलाव किए गए हैं। २०१८ के संशोधन के माध्यम से इस कानून को और अधिक धारदार बनाने का प्रयास किया गया, जिसके तहत अब केवल रिश्वत लेने वाले लोक सेवक ही नहीं, बल्कि रिश्वत देने वाले को भी सीधे तौर पर अपराधी माना गया है और उनके लिए ७ साल तक की कैद का प्रावधान है। इसके अलावा, लोक सेवकों की संपत्तियों की कुर्की और मुकदमों को निपटाने के लिए २ साल की समय-सीमा तय की गई है। इस कानून के साथ-साथ धन शोधन निवारण अधिनियम और बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध अधिनियम जैसे दंडात्मक प्रावधान भी मौजूद हैं। कानूनन, भ्रष्टाचार अब एक ऐसा संज्ञेय अपराध है जहां अपराधियों की आर्थिक रीढ़ तोड़ने और उन्हें सलाखों के पीछे भेजने की पूरी शक्ति राज्य के पास सुरक्षित है।

परंतु, इन कड़े वैधानिक प्रावधानों के बावजूद धरातल पर कानून का खौफ उम्मीद के मुताबिक दिखाई नहीं देता। इसका सबसे बड़ा कारण प्रशासनिक स्वीकृतियों की जटिलता और अदालती मुकदमों में होने वाली असीमित देरी है। सीबीआई के हालिया आंकड़ों के अनुसार, एजेंसी द्वारा जांच किए गए ७,२०० से अधिक भ्रष्टाचार के मामले अदालतों में लंबित हैं, जिनमें से ४०० से अधिक मामले तो पिछले दो दशकों से न्याय की बाट जोह रहे हैं। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा १७ए के तहत किसी लोक सेवक के खिलाफ जांच शुरू करने से पहले सरकार से पूर्व मंजूरी लेने की अनिवार्यता अक्सर बड़ी मछलियों के लिए एक सुरक्षा कवच बन जाती है।

-अशोक भाटिया

सबसे बड़ा मतभेद ...

कमलेश पांडेय

अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत तो हुई लेकिन बैठक बेनतीजा !



सितंबर के तीसरे सप्ताह में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के बाद अमेरिका-ईरान वार्ता पुनः शुरू तो हुई लेकिन अभी तक कोई अंतिम समझौता नहीं हो पाया है हालांकि, बातचीत का चैनल सक्रिय है और दोनों पक्षों के बीच कुछ कूटनीतिक प्रगति के संकेत हैं। चूंकि दोनों पक्ष अपनी अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं, इसलिए बीच का कोई रास्ता नहीं निकल पा रहा है। खुशी की बात यह है कि अब दोनों देश मध्यस्थों के जरिए नहीं, बल्कि खुद ही अपने प्रॉपर चैनल से बातचीत जारी रखे हुए हैं, जो शुभ संकेत है।

वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गत 23 सितंबर को साफ कहा कि पिछली बातचीत मध्यस्थों के साथ हुई थी और उन्होंने इसकी दिशा को स्पष्ट रूप से "एक तरफ या दूसरी तरफ" बताने से परहेज किया जिससे बातचीत विफल रही। उन्होंने कहा कि मुद्दे के केंद्र में यह अमेरिकी बात है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए।

जबकि खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गत 22 सितंबर को कहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है और उस दिन भी वार्ता हुई थी। उन्होंने ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति न देने को अमेरिकी स्थिति का प्रमुख आधार बताया। जबकि ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने गत 23 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र में दो टूक शब्दों में कहा कि ईरान बातचीत और कूटनीति के लिए तैयार है, लेकिन "बल की भाषा" के बिना।

ईरानी पक्ष ने वार्ता की पुनर्बहाली के लिए जिन शर्तों की सार्वजनिक जानकारी दी है, उनमें युद्ध समाप्त करना, जमे हुए ईरानी धन को मुक्त करना और नौसैनिक नाकाबंदी समाप्त करना शामिल हैं। इसलिए फिलहाल इस वार्ता का फलाफल यह निकला है कि आलेख लिखे जाने तक अंतिम शांति/समझौता नहीं हुआ है। खास बात यह है कि

बातचीत पूरी तरह विफल भी नहीं हुई है- कूटनीतिक संपर्क जारी है।

सबसे बड़ा मतभेद अमेरिकी शर्तों को लेकर बना हुआ है, क्योंकि अमेरिका परमाणु हथियार के मुद्दे को केंद्रीय मान रहा है, जबकि ईरान युद्ध/नाकाबंदी समाप्ति और आर्थिक प्रतिबंधों व जमे धन से जुड़े मुद्दों को महत्वपूर्ण बना रहा है। अतः इसे फिलहाल "समझौता" नहीं, बल्कि "समझौते की दिशा में जारी मध्यस्थतापूर्ण वार्ता" कहना अधिक सटीक होगा।

देखा जाए तो अमेरिका ने पाँच मांगों की कोई एक आधिकारिक, क्रमांकित सूची जारी नहीं की है। इसलिए नीचे अमेरिकी पक्ष की वे मुख्य सार्वजनिक शर्तें/उद्देश्य दिए हैं जिन्हें विदेश मंत्री मार्को रुबियो और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों से स्पष्ट रूप से पहचाना जा सकता है। जबकि ईरान की ओर से सात शर्तों का अपेक्षाकृत स्पष्ट सार्वजनिक विवरण सामने आया है। पहले बात करते हैं अमेरिका की प्रमुख मांग व स्थिति की, उसके बाद ईरान की प्रमुख मांग व शर्त की जो निम्नलिखित हैं:-

एक, अमेरिका चाहता है कि ईरान परमाणु हथियार हासिल न करे। रुबियो ने 23 सितंबर को इसे वार्ता का "नंबर वन इश्यू" बताया। जबकि ईरान चाहता है कि सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्त हो, विशेष रूप से लेबनान सहित।

दो, परमाणु मुद्दे पर ऐसा समझौता हो जिससे ईरान की परमाणु क्षमता अमेरिकी सुरक्षा-लक्ष्य के अनुरूप सीमित रहे। जबकि ईरान विदेशों में फ्रीज किए (जमे) हुए ईरानी धन/संपत्तियों को जारी किये जाने की वकालत करता है।

तीन, अमेरिकी सोच है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में नौवहन की स्वतंत्रता/सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हो- यह हाल की वार्ता का प्रमुख मुद्दा बना हुआ है। जबकि ईरान चाहता है कि ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी जल्द समाप्त हो।

चार, अमेरिका, ईरान से ऐसा व्यवहार/समझौता चाहता है जो क्षेत्रीय संघर्ष को समाप्त करने और अमेरिकी हितों की सुरक्षा की दिशा में हो। ट्रंप ने वार्ता का लक्ष्य समझौते के जरिए युद्ध समाप्त करना बताया है। जबकि ईरान चाहता है कि उसके आंतरिक मामलों में अमेरिकी हस्तक्षेप समाप्त हो।

पांच, अमेरिका का घोषित केंद्रीय उद्देश्य है ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकना और इसके लिए कूटनीतिक समाधान तलाशना। जबकि ईरान चाहता है कि ईरान की सरकार के विरोधियों/"क्रांति के विरोधियों" के साथ अमेरिकी सहयोग समाप्त हो। अमेरिकी हमले ईरानी क्षेत्र पर पूरी तरह समाप्त हों।

राजकीय ...

अजय द्विवेदी

होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से प्रदेश की जनता को मिल रही है चिकित्सा सुविधा

प्रदेश के सभी नागरिकों को रोगों के निदान की सभी चिकित्सा पद्धतियों की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार सतत् प्रयासरत् है। इसी के दृष्टिगत होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सरकार आयुष विभाग के माध्यम से प्रदेश में होम्योपैथी चिकित्सा सेवाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण का निरन्तर कार्य कर रही है। होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति रोगों के उपचार में मदद करती है और प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है। वर्तमान समय में जब स्वस्थ जीवन शैली और रोग निवारण का महत्व निरन्तर बढ़ रहा है, तब इसकी उपयोगिता और भी प्रभावशाली सिद्ध हो रही है।

प्रदेश में 1585 राजकीय होम्योपैथिक डिस्पेंसरी /चिकित्सालय संचालित हैं। इसके अलावा 9 अस्पताल राजकीय होम्योपैथिक महाविद्यालय के अन्तर्गत संचालित है। जिसके माध्यम से जन सामान्य को होम्योपैथिक विधा के माध्यम से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। होम्योपैथिक विधा के पारंगत एवं अनुभवी चिकित्सकों को तैयार करने के लिए प्रदेश में 9 होम्योपैथिक महाविद्यालय राजकीय क्षेत्र में एवं 4 महाविद्यालय निजी क्षेत्र में संचालित है। इन महाविद्यालयों में नीट चयन परीक्षा के माध्यम से छात्रों का चयन होता हैं जिसकी मेरिट आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तैयार की जाती है। जिसके आधार पर राज्य सरकार के आयुष विभाग द्वारा काउंसलिंग के माध्यम से पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से महाविद्यालयों में छात्रों को सीट का आवंटन किया जाता है ।

प्रदेश की जनता को आयुष पद्धति की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा प्रदेश के 09 विधान सभा क्षेत्रों (1-बरेली कैण्ट, जनपद बरेली, 2- लखीमपुर, जनपद खीरी, 3-तिलोई, जनपद-अमेठी, 4-बिठूर जनपद कानपुर नगर, 5- महोबा, जनपद महोबा, 6-नरैनी, जनपद बांदा, 7-मानिकपुर, जनपद चित्रकूट , 8-पड़रौना, जनपद कुशीनगर, 9- भदोही, जनपद भदोही) मे चिकित्सालयों की स्थापना हेतु की गयी घोषणा के क्रम में उक्त स्थानों पर चिकित्सालय भवनों का निर्माण कराते हुए चिकित्सकीय कार्य सुचारू रूप से संचालित हो गया है।

उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष विभाग द्वारा आयुष चिकित्सा पद्धतियों के समग्र विकास, सुदृढ़ीकरण एवं जनसामान्य में उनकी स्वीकार्यता एवं लोकप्रियता को बढ़ावा देने के लिए नीति निर्माण, संस्थागत विस्तार तथा वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की है। परिणामस्वरूप प्रदेश में आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी विस्तार हुआ है। तथा जनसामान्य को सुरक्षित, प्रभावी एवं किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं।

राजकीय महाविद्यालयों में मानकों को पूर्ण किये जाने के उददेश्य से राजकीय होम्योपैथिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय लखनऊ में छात्र एवं छात्रा- छात्रावास का निर्माण पूर्ण कराते हुये उपयोग में लाया जा रहा है। राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज गोरखपुर में महिला एवं पुरूष छात्रावास, राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज, अलीगढ़ में महिला एवं पुरूष छात्रावास , राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज आजमगढ़ में महिला एवं पुरूष छात्रावास तथा राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज गाजीपुर में पुरूष छात्रावास का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

क्रेडिट कार्ड नहीं, शिक्षा का भरोसा चाहिए

शिक्षा के लिए लिया गया कर्ज केवल रकम नहीं होता। वह किसी विद्यार्थी और उसके परिवार के भविष्य पर लगाया गया भरोसा होता है। इसलिए जब शिक्षा ऋण की प्रक्रिया लंबी होती है, स्वीकृति और भुगतान के बीच महीनों का अंतर पैदा होता है या महाविद्यालय की फीस समय पर नहीं पहुंचती, तो संकट केवल किसी सरकारी फाइल के लंबित रहने का नहीं होता। उसका सीधा असर विद्यार्थी की पढ़ाई, परीक्षा, नामांकन और भविष्य पर पड़ता है। बिहार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना इसी भरोसे के साथ शुरू की गई थी कि आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चे पैसे के अभाव में उच्च शिक्षा से वंचित न रहें। योजना की सफलता का आकलन केवल इससे नहीं होना चाहिए कि कितने आवेदन आए। असली कसौटी यह है कि कितने विद्यार्थियों को समय पर शिक्षा जारी रखने के लिए जरूरी सहायता मिली। सांसद सुधाकर सिंह की ओर से उठाए गए सवालों के अनुसार सभी 38 जिलों के मौजूदा आंकड़ों में जिला निबंधन-सह-परामर्श केंद्रों पर 1,37,177 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें 14,804 आवेदन स्वीकृत और 1,22,341 आवेदन प्रक्रियाधीन बताए गए हैं। यानी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अभी निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह स्थिति अपने आप में जांच और स्पष्टीकरण की मांग करती है। लेकिन इन आंकड़ों की तुलना दूसरे समय के आंकड़ों से करते हुए सावधानी भी जरूरी है। 27 मई 2026 को प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1,24,359 आवेदन आए थे। इनमें 97,580 स्वीकृत बताए गए और 46,384 विद्यार्थियों को राशि मिलने की बात कही गई थी, जबकि 51,156 विद्यार्थी भुगतान की प्रतीक्षा में बताए गए। उसी रिपोर्ट में शिक्षण संस्थानों को 597 करोड़ 82 लाख रुपये के भुगतान का उल्लेख था। इसके विपरीत मौजूदा जिला-वार आंकड़ों में कुल आवेदन 1,37,177 और स्वीकृत आवेदन 14,804 बताए जा रहे हैं। संभव है कि दोनों आंकड़े अलग-अलग समय, आंकड़ा-संग्रह की तिथि अथवा आवेदन की अलग-अलग प्रशासनिक अवस्थाओं को दर्शाते हों।

कुमार कृष्णन

जरा हटके

इस दिशा में परख...

राम शर्मा

सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता का पैमाना अब नामांकन नहीं, सीखने के परिणाम हों



भारत में स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में पिछले दो दशकों में बड़ा बदलाव आया है। कभी चुनौती बच्चों को स्कूल तक पहुंचाने की थी लेकिन अब तस्वीर काफी हद तक बदल चुकी है। आज देश के सामने बड़ा सवाल यह है कि जो बच्चे स्कूल पहुंच रहे हैं, वे वास्तव में कितना सीख पा रहे हैं। किसी स्कूल में बच्चों की संख्या बढ़ जाना, भवन का निर्माण हो जाना, स्मार्ट क्लास लग जाना या किताबें और यूनिफॉर्म उपलब्ध करा देना शिक्षा की गुणवत्ता का अंतिम प्रमाण नहीं हो सकता। शिक्षा की असली कसौटी यह है कि बच्चा अपनी कक्षा के अनुरूप पढ़, लिख और गणित कर पा रहा है या नहीं। भारत में यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकारी स्कूल देश की शिक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा आधार हैं। यूडाइस 'UDISE+ 2024-25' के अनुसार देश में लगभग 14.71 लाख स्कूल हैं, जिनमें करीब 10.13 लाख सरकारी स्कूल हैं। यानी कुल स्कूलों का लगभग 69 प्रतिशत सरकारी क्षेत्र में है। इसी वर्ष देश के 24.69 करोड़ विद्यार्थियों में करीब 12.16 करोड़ विद्यार्थी सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे थे। सरकारी स्कूलों में लगभग 51.5 लाख शिक्षक कार्यरत हैं।

ये आंकड़े बताते हैं कि सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता केवल शिक्षा विभाग का विषय नहीं है, बल्कि देश के मानव संसाधन और भविष्य की अर्थव्यवस्था से सीधे जुड़ा प्रश्न है। हालांकि तस्वीर पूरी तरह निराशाजनक भी नहीं है। शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट यानी असर 'ASER 2024' के आंकड़े बताते हैं कि सरकारी स्कूलों के बच्चों के बुनियादी पढ़ने और गणित के स्तर में 2022 के मुकाबले उल्लेखनीय सुधार हुआ है। ग्रामीण भारत में कक्षा तीसरी के सरकारी स्कूल के बच्चों में कक्षा दूसरी के स्तर का पाठ पढ़ पाने वाले बच्चों का अनुपात 2022 में 16.3 प्रतिशत था, जो 2024 में बढ़कर 23.4 प्रतिशत हो गया। इसी तरह कक्षा पांचवीं में यह अनुपात 38.5 प्रतिशत से बढ़कर 44.8 प्रतिशत हुआ। गणित में भी सुधार दिखाई देता है। कक्षा तीसरी के सरकारी स्कूलों के बच्चों में कम से कम दो अंकों की घटाव की समस्या हल कर पाने वालों का अनुपात 2022 में 20.2 प्रतिशत था, जो 2024 में बढ़कर 27.6 प्रतिशत हुआ। कक्षा पांचवीं में तीन अंकों को एक अंक से भाग देने की क्षमता रखने वाले बच्चों का अनुपात भी सुधरा है। असर रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रीय स्तर पर बुनियादी अंकगणित का प्रदर्शन एक दशक से अधिक समय में अपने ऊंचे स्तरों में पहुंचा है। इन आंकड़ों को एक सकारात्मक बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा सकता है, लेकिन इनके भीतर एक गंभीर संदेश भी छिपा है। अगर कक्षा पांचवीं के सरकारी स्कूल के लगभग 55 प्रतिशत बच्चे कक्षा दूसरी के स्तर का पाठ सहजता से नहीं पढ़ पा रहे हैं, तो केवल स्कूल में उनका नामांकन होना पर्याप्त उपलब्धि नहीं माना जा सकता। यह अंतर बताता है कि अब शिक्षा व्यवस्था को 'स्कूल पहुंचाने' से आगे बढ़कर 'सीखने की क्षमता' पर ध्यान केंद्रित करना होगा। यही कारण है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति यानी एनईपी 2020 में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखा गया है। निपुन भारत मिशन का उद्देश्य बच्चों को शुरुआती कक्षाओं में पढ़ने-समझने और गणित की बुनियादी क्षमताएं हासिल कराना है। सरकार ने कक्षा तीन के अंत तक प्रत्येक बच्चे को इन बुनियादी क्षमताओं से लैस करने का लक्ष्य रखा है। इस दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। पहले शिक्षा की सफलता को अक्सर स्कूलों की संख्या, नामांकन, परीक्षा परिणाम और बुनियादी सुविधाओं से मापा जाता था। अब सवाल यह होना चाहिए कि बच्चा वास्तव में क्या कर सकता है। क्या वह अपनी किताब को समझकर पढ़ सकता है? क्या वह किसी समस्या को अपने शब्दों में समझा सकता है? क्या वह सामान्य गणितीय गणना कर सकता है? क्या वह रटने के बजाय अवधारणा को समझता है? क्या वह सीखी हुई बात को रोजमर्रा की जिंदगी में इस्तेमाल कर सकता है? यही सीखने के परिणाम की अवधारणा है।

इस दिशा में परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 भी महत्वपूर्ण है। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार दिसंबर 2024 में हुए इस राष्ट्रीय सर्वेक्षण में 87,619 स्कूलों और लगभग 22.94 लाख विद्यार्थियों को शामिल किया गया। कक्षा तीसरी के स्तर पर भाषा में राष्ट्रीय स्तर का सही उत्तर देने का प्रदर्शन 2021 के 62 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 64 प्रतिशत और गणित में 57 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हुआ। इससे संकेत मिलता है कि सुधार हो रहा है लेकिन सुधार की गति और उसकी गुणवत्ता दोनों पर लगातार नजर रखना आवश्यक है। सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने की पहली शर्त है कि शिक्षक को केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाला कर्मचारी न माना जाए, बल्कि उसे सीखने की प्रक्रिया का केंद्र बनाया जाए। शिक्षक के सामने यदि अत्यधिक गैर-शैक्षणिक कार्य, प्रशासनिक जिम्मेदारियां और कागजी औपचारिकताएं होंगी तो कक्षा में व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन होगा। शिक्षा नीति भी निरंतर शिक्षक प्रशिक्षण और पेशेवर विकास पर जोर देती है। एनईपी 2020 में प्रत्येक स्कूल में शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात को बेहतर रखने तथा वंचित क्षेत्रों में और कम अनुपात का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन केवल शिक्षक प्रशिक्षण पर्याप्त नहीं है।

अखिलेश ने रामगोविंद चौधरी को दी अंतिम विदाई, मंत्री दयाशंकर ने भी दी श्रद्धांजलि

'समाजवादी आंदोलन को क्षति हुई'

श्रद्धांजलि

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । सपा मुखिया अखिलेश यादव ने दिवंगत पूर्व मंत्री राम गोविंद चौधरी को अंतिम विदाई दी। लखनऊ में शनिवार सुबह अखिलेश ने राम गोविंद चौधरी के पार्थिव शरीर पर फूल अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान अखिलेश भावुक नजर आए। उन्होंने कहा- उनका जाना समाजवादी आंदोलन और पार्टी के लिए बड़ा नुकसान है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने भी राम गोविंद चौधरी को श्रद्धांजलि दी।

यूपी विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी का शुक्रवार देर रात निधन हो गया था। उन्होंने संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज



(PGI) में अंतिम सांस ली। वह 80 साल के थे और दो साल से दिल की बीमारी से जूझ रहे थे। उनके परिवार में पत्नी कलावती देवी और एक बेटा है।

इससे पहले सितंबर 2025 में राम गोविंद चौधरी लखनऊ के मैक्स हॉस्पिटल में भर्ती हुए थे। तब अखिलेश यादव उनसे मिलने पहुंचे थे। इस दौरान राम गोविंद चौधरी ने बिस्तर पर पड़े-पड़े अखिलेश के सामने डॉक्टरों से कहा था- "चुनाव जीतना है। अखिलेश को मुख्यमंत्री बनाना है। आप लोग भी सुन लो।" सीएम योगी आदित्यनाथ ने राम गोविंद चौधरी के निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि यूपी विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मंत्री राम गोविंद चौधरी का निधन बेहद दुखद है। प्रभु श्रीराम से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की। शोकाकुल परिवार को यह दुख सहने की शक्ति दें। सपा महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने भी उनके निधन पर शोक जताया। राम गोविंद चौधरी, मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव के करीबी रहे। शिक्षा और पिछड़े वर्गों से जुड़े मुद्दे वे लगातार उठाते रहे। हाल के सालों में भी वे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव के तौर पर सक्रिय रहे।

1977 के लोकसभा चुनाव के दौरान राम गोविंद चौधरी की मुलाकात पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर से हुई।

अखिलेश बोले- रामगोविंद चौधरी समाजवादी आंदोलन के नेता रहे

अखिलेश ने कहा- रामगोविंद चौधरी समाजवादी आंदोलन के नेता रहे। शुरुआती दौर में जिस समय समाजवाद की पहचान बनानी थी, उस पीढ़ी के वो लोग थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया। सदन में मैंने उन्हें कई बार देखा। मंत्री के रूप में देखा। जब वो नेता जी के साथ थे, तब देखा। अभी लीडर ऑफ अपोजिशन (नेता प्रतिपक्ष) जब रहे, तब भी देखा।

उन्होंने कहा- सरकार को घेरना हो, समझाना हो, वो अपने ढंग से और बहुत प्रभावी तरीके से ऐसे काम कर लेते थे। बलिया की धरती से निकल करके उन्होंने समाजवाद को आगे बढ़ाया। उन्होंने कभी किसी और चीज की परवाह नहीं की। गरीब, किसान और जो सबसे कमजोर लोग हैं, उनके साथ खड़े रहे। उनके न रहने पर हम सबको उनकी कमी खलेगी।



यह तस्वीर सितंबर 2025 की है। जब अखिलेश यादव लखनऊ के मैक्स हॉस्पिटल में भर्ती राम गोविंद चौधरी से मिलने गए थे।

छात्र जीवन से समाजवादी आंदोलन से जुड़े

राम गोविंद चौधरी का जन्म 9 जुलाई 1946 को बलिया जिले में हुआ था। उनके पिता का नाम द्वारिका चौधरी और मां का नाम तिलेश्वरी देवी था। उन्होंने टीडी कॉलेज, बलिया से पोस्ट ग्रेजुएशन और एलएलबी की पढ़ाई की।

चौधरी छात्र जीवन से ही समाजवादी विचारधारा से जुड़ गए थे। आपातकाल के दौरान उन्होंने संपूर्ण क्रांति आंदोलन में हिस्सा लिया और जेल भी गए। उस समय बलिया के ज्यादातर कार्यकर्ता 19 महीने बाद जेल से बाहर आए थे, लेकिन राम गोविंद चौधरी 25 महीने बाद रिहा हुए थे।

बारिश को लेकर पुलिस अलर्ट एसीपी ने अनाउंसमेंट कर घर जाने की अपील की

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में पिछले दो दिनों से तेज बारिश का दौर जारी है। जिसको लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया था। इस अलर्ट को पालन करवाने के लिए लखनऊ पुलिस व अन्य विभाग भी एक्टिव मोड पर हैं। एसीपी गाजीपुर अतुल पांडेय पॉलिटेक्निक पर मुस्तैद दिखे। उन्होंने अनाउंसमेंट करके अनावश्यक भीड़ न लगाने की बात कही। लोगों से समय से घर निकलने की अपील की। पुलिस लगातार वायरलेस से अनाउंसमेंट कर लोगों से बाहर न निकलने की अपील कर रही है।

ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में पुलिस ने गस्ती बढ़ा दी है। इस दौरान वह स्पीकर के माध्यम से लोगों को जागरुक कर रही है। पुलिस अनाउंसमेंट करते हुए 26 और 27 सितंबर का मौसम विभाग द्वारा अलर्ट को बता रही है। साथ ही अपील कर रही है अगर बहुत जरूरी काम न हो तो घर से निकलने से बचे।

आने वाले दो दिन काफी



बीकेटी पुलिस टीम बारिश के बीच हाईवे खुलवाते हुए

क्रिटिकल है, मौसम विभाग की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए लोगों को समझाइश दी जा रही है। इसके अलावा पुलिस टीम हर क्षेत्र में लगातार राहत कार्य में लगी हैं। कई जगह पेड़ गिर जाने से आवागमन बाधित है। जिसको लेकर भी ट्रैफिक पुलिस तत्काल उस पर काम करने लगी हुई है। बक्शी का तालाब में भारी बारिश और तेज हवाओं के बीच शनिवार को सीतापुर हाईवे पर अचानक एक पेड़ गिर गया। पेड़ सड़क पर गिरने से हाईवे पर आवागमन बाधित हो गया और वाहनों की लंबी कतार लग गई।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में बारिश से बिजली सप्लाई ठप

लखनऊ । लखनऊ में शनिवार सुबह से लगातार हो रही बारिश का असर बिजली सप्लाई पर भी पड़ा। कहीं अंडरग्राउंड केबल में फॉल्ट हुआ तो कहीं पेड़ गिरने और तकनीकी खराबी से बिजली बंद रही। शहर के वीआईपी इलाकों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लोग घंटों बिजली कटौती से परेशान रहे। बिजली गुल होने का असर पानी की सप्लाई पर भी पड़ा। घरों में मोटर नहीं चलने से लोगों को पानी के लिए परेशानी उठानी पड़ी।

लखनऊ में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

लखनऊ। लखनऊ में ई-रिक्शा चालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एक साल पहले उसकी शादी हुई थी। ससुरालवालों से विवाद के बाद युवक ने सुसाइड कर लिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मड़ियांव में सेमरागौढी निवासी अभिषेक गोस्वामी (22) ई-रिक्शा चलाता था। भाई हिमांशु ने बताया कि शुक्रवार रात काम से लौटा। घर में खाना पीना खाकर अपने कमरे में चला गया। काफी देर बाहर नहीं आया तो परिवार देखने गया। जहां कमरे में फंदे के सहारे लटका मिला।

लखनऊ में 'श्री हरि कथा' शुरू

लखनऊ। लखनऊ में आध्यात्मिक एवं सामाजिक संस्था दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से वृंदावन योजना (सेक्टर-6सी) के नीलमथा रोड स्थित कान्हा बैंक्वेट हॉल में तीन दिवसीय 'श्री हरि कथा' का शुभारंभ हुआ। कथा के पहले दिन शनिवार को आशुतोष महाराज की शिष्या साध्वी अंबिका भारती ने भक्त धन्ना जाट की अटूट भक्ति का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया।

राजधानी में 24-घंटे में 125 मिमी बारिश, 38 पेड़ गिरे

पावर हाउसों में ब्लास्ट-फॉल्ट, कई घर भरभराए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में 52 घंटे से लगातार झोंकेदार हवाओं के साथ बारिश हो रही है। इस बारिश की वजह से कई रिकॉर्ड बने और टूटे। 24 घंटे में 125.1 मिमी बारिश हुई, जो इस सीजन में रिकॉर्ड है। इसके साथ ही 15 साल का रिकॉर्ड बन गया। इससे पहले 22 अगस्त 2011 को 143.7 मिमी बारिश हुई थी।

बिना रुके लगातार बारिश की वजह से 25 सितंबर को अधिकतम तापमान 23.5 डिग्री सेल्सियस ही रहा। इस तापमान से पिछले 19 साल का रिकॉर्ड टूट गया। इससे पहले 25 सितंबर 2007 को अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था।

शहर में लगातार बारिश के चलते मोहल्लों, पार्कों और सड़कों पर जबरदस्त जलभराव है। मरीन ड्राइव के पास अंडरपास पर जलभराव में कारें खराब हो रही हैं। लोग धक्का



लगाकर जलभराव से निकल पा रहे हैं। कई इलाकों में किचन और बेडरूम तक भी पानी घुस गया है। पावर हाउसों में ब्लास्ट हो रहे हैं, फॉल्ट आ रहे हैं, जिससे कई इलाकों में बत्ती गुल है। नगर निगम को मिली सूचनाओं के अनुसार अलीगंज, खजाना रोड, आशियाना समेत कई इलाकों में कुल 38 पेड़ गिरे। इनके नीचे खड़ी या गुजर रहीं गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुई हैं। ग्रामीण इलाकों में कच्चे घर गिर रहे हैं। बीकेटी के भौली में घर गिरने से किसान की मौत हो गई। मलिहाबाद में माल-इटौंजा मार्ग पर आम का पेड़ शाम 4 बजे गिर गया था।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ शहरों का निर्माण संभव : मंत्री ए.के. शर्मा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में स्वच्छता बनी जन आंदोलन

तमसा संकेत, संवाददाता

ग्रेटर नोएडा/लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने नोएडा स्थित एक्सपो मार्ट में आयोजित उत्तर प्रदेश के चौथे इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रतिभाग किया। इस दौरान नगर विकास विभाग की ओर से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर आयोजित सेमिनार में उन्होंने प्रतिभाग करते हुए नगरों को और अधिक स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाने के लिए नवीनतम तकनीक के माध्यम से ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित प्रबंधन पर विशेष बल दिया।

संबोधन के दौरान नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केवल स्वच्छता से जुड़ा विषय नहीं है, बल्कि यह हमारे शहरों के



स्वास्थ्य, पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से हम शहरों को स्वच्छ रखने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान ने देश में स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। अब हमारा प्रयास है कि इस जनआंदोलन को और अधिक वैज्ञानिक, व्यवस्थित और स्थायी बनाया जाए। इसके लिए आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रबंधन व्यवस्था और जनभागीदारी को साथ लेकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से शहरों की स्वच्छता, पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य होगा सुरक्षित: ए के शर्मा



सीबीजी, वेस्ट टू एनर्जी और बायोफ्यूल से कचरे का होगा बेहतर उपयोग, शहरों की सुधरेगी क्वालिटी आफ लाइफ : नगर विकास मंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में स्वच्छता बनी जन आंदोलन, अब वैज्ञानिक आधुनिक अपशिष्ट प्रबंधन पर जोर: ए के शर्मा

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन में स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त शहरों की दिशा में बढ़ रहा उत्तर प्रदेश : ऊर्जा मंत्री

नगरीय क्षेत्रों से प्रतिदिन बड़ी मात्रा में ठोस अपशिष्ट निकलता है

मंत्री शर्मा ने लखनऊ के शिवरी स्थित सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट और प्रेरणास्थल की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि नगरीय क्षेत्रों से प्रतिदिन बड़ी मात्रा में ठोस अपशिष्ट निकलता है। यदि इसका वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधन किया जाए तो यही अपशिष्ट एक बड़े अवसर में परिवर्तित हो सकता है। उन्होंने कहा कि वेस्ट मैनेजमेंट आज एक बड़ी बिजनेस अपॉर्चुनिटी भी बन सकता है। सीबीजी, वेस्ट-टू-एनर्जी, बायोफ्यूल और रिसाइक्लिंग एवं री-प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में अपशिष्ट का उपयोग कर नए उद्योगों और रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते हैं।

ग्राम्य विकास विभाग ने आयोजित किया विकसित ग्राम पंचायत प्लान पर विशेष कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

विकास कार्य धरातल पर स्पष्ट नजर आने चाहिए : केशव प्रसाद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रभावी व ठोस रणनीति बनाकर विकास योजनाओं को मूर्तरूप दिया जाय, कार्य धरातल पर नजर आने चाहिए। अधिकारी कार्यों की गुणवत्ता पर पैनी नजर रखें, सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के अन्दर तीव्र गति से पूरे करायें जांय

उप मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम मे लखनऊ स्थित जवाहर भवन के दसवें तल पर ग्राम्य विकास विभाग द्वारा विकसित ग्राम पंचायत प्लान (वीजीपीपी) विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शनिवार को आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रदेश के 75 जिलों से प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से लगभग 900



अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को वीबी-जी राम जी योजना के कार्यों के समुचित क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। अन्य योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के तकनीकी पक्षों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास विभाग श्री सौरभ बाबू ने कार्यों की विविधता पर जोर देते हुए अधिकारियों को सामुदायिक हित के कार्यों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी किसी मशीन का प्रयोग न किया जाए जो मजदूरों के रोजगार को विस्थापित करती हो, साथ ही कागजी कार्यवाही को भी कम से कम करने पर बल दिया। अपर आयुक्त सुश्री नेहा बंधु ने फील्ड स्तर पर मजदूरों और निर्माण कार्यों की गलत डाटा फीडिंग पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे अनियमितता की श्रेणी में रखने

विकसित भारत- जी राम जी के तहत अनुमन्य कार्यों को कराया जाय और श्रमिकों का भुगतान नियमानुसार समय से कराया जाय। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि फील्ड में हो रहे कार्यों की नियमित रूप से समीक्षा की जाय।



प्रमोद कुमार उपाध्याय ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए

आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग प्रमोद कुमार उपाध्याय ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि विकसित भारत - रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (वीबी-जी राम जी) एक्ट के तहत अनुमन्य 375 कार्यों के अलावा अन्य कोई भी अमान्य कार्य किसी भी सूरत में न कराया जाएं। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के मानदेय का भुगतान पूरी पारदर्शिता के साथ प्राथमिकता पर किया जाए और पुराने बकाया मानदेय को जल्द निपटाया जाए।

की बात कही। उन्होंने कर्मचारियों को सतर्क रहने की सलाह दी और अधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों के पांच सर्वश्रेष्ठ कार्यों को प्रदर्शित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि तकनीक का इस्तेमाल केवल एक सहायक के रूप में किया जाना चाहिए, उस पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। कार्यशाला के दौरान रिमोट सेंसिंग और जीआईएस आधारित 'युक्तधारा पोर्टल' के महत्व को रेखांकित किया गया।

के.डी. सिंह 'बाबू' स्टेडियम में बॉक्सिंग प्रतियोगिता

फाइनल में पहुंचे 22 मुक्केबाज, खिताबी मुकाबले

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । लखनऊ में के.डी. सिंह 'बाबू' स्टेडियम के बॉक्सिंग हॉल में चल रही 70वीं प्रदेश स्तरीय विद्यालयीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता (2026-27) शनिवार को चौथे दिन निर्णायक चरण में पहुंच गई। सेमीफाइनल मुकाबलों में विभिन्न मंडलों के मुक्केबाजों ने शानदार तकनीक और दमखम का प्रदर्शन किया, जिसके बाद 22 खिलाड़ियों ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। रविवार, 27 सितंबर को अंतिम मुकाबलों के बाद विजेता खिलाड़ियों और मंडलों को सम्मानित कर प्रतियोगिता का समापन किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) प्रताप सिंह बघेल के संरक्षकत्व और संयुक्त शिक्षा निदेशक (लखनऊ मंडल) डॉ. प्रदीप कुमार के नेतृत्व में किया जा रहा है। शनिवार को डॉ. प्रदीप कुमार ने स्टेडियम पहुंचकर खेल संचालन व सुविधाओं का जायजा



लिया और समापन समारोह की तैयारियों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार और सह जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कुमार कनौजिया ने भी तकनीकी प्रक्रियाओं व व्यवस्थाओं का अनुश्रवण किया। अंतिम मुकाबले में स्थान बनाने वाले मुक्केबाजों में मेरठ मंडल के विष्णु, अनमोल भाटी, युवराज, राहुल व गोपाल; लखनऊ मंडल के हैदर उल्ला कुरैशी, तेज प्रताप सिंह, अनुराग वर्मा व अथर्व राय; गोरखपुर के यश राज मौर्या, निशू पासवान, अमित भारती व अमन प्रसाद तथा वाराणसी के रुद्रांश, रुद्र प्रताप भारत व अंजनी मिश्रा शामिल हैं।

निर्देश : जनवरी से अगस्त तक के आंकड़ों की समीक्षा, लखनऊ में 11.9% हादसे बढ़े

लखनऊ-लखीमपुर में बढ़े सड़क हादसे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की तृतीय बैठक शनिवार को मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जनवरी से अगस्त 2026 तक लखनऊ मंडल में हुई सड़क दुर्घटनाओं और उनमें हुई मौतों की जनपदवार समीक्षा की गई। समीक्षा में लखनऊ और लखीमपुर खीरी में सड़क हादसों की संख्या बढ़ने की बात सामने आई। मंडलायुक्त ने दोनों जिलों में दुर्घटनाओं और मौतों में वृद्धि के कारणों का विस्तृत विश्लेषण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान सामने आया कि उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर और हरदोई में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आई है। वहीं लखनऊ में दुर्घटनाओं में 11.9



प्रतिशत और लखीमपुर खीरी में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हादसों में मौतों के आंकड़े में भी लखनऊ में 10.6 प्रतिशत और लखीमपुर खीरी में 12.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मंडलायुक्त ने अधिकारियों से दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों और हादसों के प्रमुख कारणों की पहचान कर प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई करने को कहा। सड़क दुर्घटना में घायलों के उपचार के लिए पीएम राहत योजना के तहत अस्पतालों की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। लखनऊ में 15, उन्नाव में 25, रायबरेली में 12, सीतापुर में 1, लखीमपुर खीरी में 4 और हरदोई में 17 निजी अस्पताल योजना के तहत सूचीबद्ध किए जा चुके हैं। बैठक में डीसीपी ट्रैफिक रवीना त्यागी ने बताया कि कुछ अस्पताल सड़क हादसे में घायलों को कैशलेस इलाज देने से इनकार कर रहे हैं। इस पर मंडलायुक्त ने ऐसे अस्पतालों की सूची तैयार कर चिकित्सा विभाग को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में स्कूली वाहनों की सुरक्षा को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त ने प्रत्येक विद्यालय में विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति का गठन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराने को कहा।

हिट एंड रन योजना के तहत आर्थिक सहायता से जुड़े मामलों की समीक्षा में वर्ष 2026 से पहले के कई प्रकरण लंबित मिले। लखनऊ में ऐसे 5, रायबरेली में 7, सीतापुर में 3 और हरदोई में 10 आवेदन लंबित पाए गए। मंडलायुक्त ने आगामी बैठक से पहले सभी पुराने मामलों का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ब्लैक स्पॉट के सुधार में तेजी के निर्देश

बैठक में लोक निर्माण विभाग और एनएचएआई के मार्गों पर चिन्हित ब्लैक स्पॉट की स्थिति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को ब्लैक स्पॉट का समयबद्ध तरीके से सुधार कराने और सड़क सुरक्षा से जुड़े जरूरी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही तीन या उससे अधिक मौत वाली सड़क दुर्घटनाओं की जांच की भी समीक्षा हुई। मंडलायुक्त ने कहा कि दुर्घटना जांच रिपोर्ट में हादसे के वास्तविक और स्पष्ट कारण दर्ज किए जाएं, ताकि उन्हीं के आधार पर भविष्य में दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय किए जा सकें।

यूपीआईटीएस 2026 में दिखा हुनर का जादू

'आओ करके सीखें' थीम ने खींचा दर्शकों का ध्यान

- **यूपीएसडीएम पवेलियन में हुनर से रूबरू हुए दर्शक, खुद हाथ आजमाकर सीखे कौशल**
- **यूपीआईटीएस -2026 में 'स्किल मंच' पर युवाओं ने दिखाई प्रतिभा, गायकी और फाइन आर्ट्स ने मोहा मन**

तमसा संकेत, संवाददाता



ग्रेटर नोएडा/ लखनऊ। उत्तर प्रदेश की कला, कौशल और कारीगरी को वैश्विक मंच देने वाले UP International Trade Show 2026 (UPITS) के दूसरे दिन उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (UPSDM) के पवेलियन में हुनर का अलग ही रंग देखने को मिला। 'आओ करके सीखें' थीम पर सजे पवेलियन में दर्शकों ने केवल कौशल का प्रदर्शन देखा ही नहीं, बल्कि खुद हाथ आजमाकर उसे सीखने का अनुभव भी लिया। इस बार पवेलियन में 16 कौशलों के लाइव प्रदर्शन और इंटरैक्टिव गतिविधियों को शामिल किया गया है। UPSDM पवेलियन में विभिन्न कौशलों के लाइव डेमो दर्शकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे। पारंपरिक कारीगरी से लेकर आधुनिक कौशल तक, हर स्टॉल पर कुछ नया सीखने और देखने को मिला। पॉटरी और टेराकोटा स्टॉल पर लोगों ने मिट्टी को आकार देकर सुंदर कलाकृतियां बनाईं। वहीं चिकनकारी स्टॉल पर विजिटर्स ने सूई-धागे से बारीक कारीगरी सीखने की कोशिश की।

हुई मौत : 2 साल पहले दीक्षा ली थी, मां शव देखकर रोईं, बोलीं- मिलने नहीं दिया जाता था

प्रेमानंदजी का शिष्य चौथी मंजिल से कूदा

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के 25 साल के शिष्य ने चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी। उनके प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था। कमरे में एक ग्रांइडर मिला है, जिस पर खून लगा था। आशंका है कि शिष्य ने ग्राइंडर से प्राइवेट पार्ट को नुकसान पहुंचाया था।

शिष्य का नाम रसिक दुलारी शरण था। सीओ संदीप सिंह ने कहा- जांच में एक CCTV मिला है, इसमें रसिक दुलारी शरण बिल्डिंग से कूदते नजर आ रहे हैं। उन्होंने सुसाइड क्यों किया। इसकी जांच की जा रही है।

घटना वाराह घाट इलाके के 4 मंजिला गुरु कृपा कुंज बिल्डिंग की है। बिल्डिंग प्रेमानंद महाराज के ट्रस्ट केली कुंज की है। इसमें प्रेमानंदजी के आश्रम से जुड़े 50 से ज्यादा शिष्य और सेवादार रहते हैं। यह बिल्डिंग प्रेमानंद के पुराने केली गुंज आश्रम से 500 मीटर दूर है।



2 साल पहले प्रेमानंदजी से दीक्षा ली, नाम बदल लिया

रसिक दुलारी शरण मूल रूप से मध्य प्रदेश के जबलपुर के रहने वाले थे। वह 2 साल पहले वृंदावन आए और प्रेमानंदजी से दीक्षा ली। इसके बाद अपना नाम दीपक लोधी से बदलकर रसिक दुलारी शरण रख लिया। दीपक 2 भाई और एक बहन हैं। सबसे बड़ी बहन और फिर दीपक थे। सबसे छोटे भाई मनीष हैं। उनकी मां लौंग बाई एक साल पहले वृंदावन आई थीं। वह दूसरी जगह 5 दिन रहीं, इस दौरान दीपक उनसे मिलते रहते थे। बताया जा रहा है कि वह 3000 किमी की नर्मदा परिक्रमा भी कर चुके थे।

बहनोई बोला- मिलने नहीं दिया जाता था

रसिक के बहनोई सोनू पटेल ने बताया- हादसे के बाद मेरे पास आश्रम से फोन आया। बताया गया कि रसिक छत से गिर गए हैं। डॉक्टर ऑपरेशन के लिए बोल रहे थे। इसके बाद हम रात में ट्रेन से आए और फोन किया। तब हमसे कहा गया कि अस्पताल नहीं जाना है, सीधे आश्रम आ जाओ। हम लोग शुक्रवार शाम 5 बजे आश्रम पहुंचे। हमें बैठाकर रखा गया। रात 9 बज गए, लेकिन किसी से मुलाकात नहीं कराई गई। क्या लगता है कि वह खुद गिरे हैं या किसी ने मारा है? इस सवाल पर सोनू ने कहा- इस बारे में हम कुछ नहीं बोल सकते। अभी हमें भी ठीक से कुछ पता नहीं है। जब आप लोग यहां आते थे, तब मुलाकात होती थी? जवाब में सोनू ने कहा- नहीं होती थी। जब से उन्होंने दीक्षा ली, तब से मिलने नहीं देते थे। कहते थे कि एक-दो घंटे रुको। दिनभर बैठाकर रखते थे। मुलाकात नहीं होती थी।



पोस्टमॉर्टम हाउस में शव देखकर रसिक की मां लौंग बाई और बहन फूट-फूटकर रोईं। परिवार वालों ने उन्हें संभाला।

बारिश से पलटी फॉर्च्यूनर, सिपाही पति-पत्नी ने 5 को बचाया

कन्नौज में जिला पंचायत अध्यक्ष गाड़ी में फंसी

तमसा संकेत, एजेंसी

कन्नौज । कन्नौज में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार दोपहर तेज बारिश के दौरान फॉर्च्यूनर कार डिवाइडर तोड़कर पलट गई। कार में सुल्तानपुर की जिला पंचायत अध्यक्ष उषा सिंह समेत 5 लोग फंस गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक सिपाही और उनकी पत्नी हादसा देखकर रुक गए। सिपाही ने तुरंत कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने की कोशिश शुरू की। कार के दरवाजे नहीं खुलने पर उन्होंने अपनी राइफल से कार के शीशे तोड़े। सिपाही की पत्नी ने आसपास से गुजर रहे वाहन चालकों से मदद मांगी। इसके बाद जिला पंचायत अध्यक्ष समेत सभी 5 लोगों को एक-एक कर कार से बाहर निकाला। हादसे में घायल सभी लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा करीब 2 बजे तालग्राम इलाके में हुआ।



सुल्तानपुर की जिला पंचायत अध्यक्ष उषा सिंह फॉर्च्यूनर कार से लखनऊ से नोएडा जा रही थीं। कार सुल्तानपुर के धनपतगंज के रहने वाले विकास यादव चला रहे थे। कार में उषा सिंह के अलावा लखीमपुर के आयुष वर्मा, गनर हेड कांस्टेबल अरविंद कुमार और नोएडा की गीतांजलि सिंह भी सवार थीं। कार आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर किलोमीटर 171 के पास पहुंची। इसी दौरान तेज बारिश और रफ्तार के कारण ड्राइवर कार पर नियंत्रण नहीं रख सके।

फास्ट न्यूज

अनुप्रिया पटेल बोलीं- दिल मिले न मिले, हाथ मिलने चाहिए

कानपुर। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने सपा की पीडीए रथयात्रा और इंडी गठबंधन पर निशाना साधा। कहा- इनका गठबंधन तो ऐसा लगता है, जैसे दिल मिले न मिले, हाथ मिलने चाहिए। इनके गठबंधन में एक-दूसरे के गढ़ से एक-दूसरे को चुनौती देने का काम किया जा रहा है।

एक भी कार्यक्रम संयुक्त रूप से नहीं हो रहे।

झांसी में बहन के पास आकर युवती ने सुसाइड किया

झांसी। झांसी में छोटी बहन के पास आकर एक युवती ने सुसाइड कर लिया। वह बीटेक करके गुड़गांव में जॉब करती थी। शुक्रवार को बहन पढ़ने गई थी। इस दौरान उसने फांसी लगा ली। जब बहन लौटकर आई तो कमरा अंदर से बंद था। किसी तरह लॉक तोड़कर बहन कमरे के अंदर पहुंची तो पंखे पर युवती फंदे पर लटकी थी। बहन ने लोगों के सहयोग से युवती को फंदे से उतारा और मेडिकल कॉलेज लेकर आए। यहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवती चित्रकूट की रहने वाली थी।

आगरा में भतीजे ने साधु को मार डाला

आगरा। आगरा में करोड़पति साधु की उसके भतीजे ने अपने 2 दोस्तों के साथ मिलकर हत्या कर दी। उन्हें सिलबट्टे से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। शुक्रवार सुबह चाचा धर्मवीर सोलंकी का शव मिला था। चाचा साधु बन चुके थे। उन्होंने कुछ समय पहले अपने हिस्से की जमीन बेची थी। इसके बावजूद उसके पास 3 बीघे से ज्यादा जमीन थी। जिसकी कीमत करोड़ों में है।

गाजियाबाद में नेशनल खिलाड़ी की 12वीं मंजिल से गिरकर मौत

रस्सी कूद में गोल्ड जीता बालकनी में कपड़े लेने गई थी

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन में शुक्रवार रात 14 साल की छात्रा प्राची राजपूत की 12वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। प्राची डीडीपीएस संजय नगर में कक्षा 9 में पढ़ती थी। दो दिन पहले ही उसने महाराष्ट्र के शिरडी में हुई सीबीएसई नेशनल रस्सी कूद प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता था। घटना राजनगर रेजीडेंसी सोसायटी के जी टावर की है। रात करीब 9 बजे प्राची बालकनी में सूख रहे कपड़े लेने गई थी। इसी दौरान वह नीचे गिर गई। आवाज सुनकर सोसायटी के लोग मौके पर पहुंचे। घरवाले उसे गंभीर हालत में संजय नगर के यशोदा अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्राची के पिता सुरेश चंद एक मल्टीनेशनल कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। हादसे के समय घर में प्राची के माता-पिता, छोटी बहन और दादा-दादी मौजूद थे। परिवार के मुताबिक, प्राची बालकनी में सूख रहे कपड़े लेने गई थी। तभी अचानक नीचे गिर गई।



घरवालों ने बताया- प्राची पढ़ाई के साथ खेल और संगीत में भी रुचि रखती थी। दो दिन पहले उसने महाराष्ट्र के शिरडी में हुई सीबीएसई नेशनल रस्सी कूद प्रतियोगिता में दो गोल्ड मेडल जीते थे। उसने डबल डच पेयर फ्री स्टाइल और डबल डच सिंगल फ्री स्टाइल में गोल्ड जीता था। मेडल जीतकर घर लौटने से परिवार में खुशी का माहौल था।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

अमरोहा में विधायक के फार्म हाउस की घटना ■ हरियाणा की रहने वाली है युवती

गैंगरेप के आरोपी इंस्पेक्टर दरोगा सहित चार पुलिसवाले हुए सस्पेंड

तमसा संकेत, एजेंसी

अमरोहा। अमरोहा में विधायक के फार्म हाउस पर युवती से गैंगरेप के मामले में चार पुलिसवालों को शनिवार को सस्पेंड कर दिया गया। इनमें हसनपुर कोतवाली के दरोगा संजय तोमर, सिपाही प्रमोद मलिक, CRPF के इंस्पेक्टर लालाराम यादव और हेड कॉन्स्टेबल मोहित शामिल हैं।

गैंगरेप की यह घटना जिला मुख्यालय से करीब 28 किलोमीटर दूर हसनपुर थाना क्षेत्र की 22 सितंबर की है। पीड़िता हरियाणा की रहने वाली है, जबकि फार्म हाउस उत्तराखंड के विधायक उमेश शर्मा का बताया जा रहा है। चारों आरोपियों को घटना के अगले दिन 23 सितंबर को गिरफ्तार कर बिजनौर जेल भेज दिया गया था।एसपी लाखन सिंह यादव ने बताया-DNA मिलान के लिए आरोपियों और पीड़िता के कपड़े फोरेंसिक लैब भेजे गए हैं। घटनास्थल से भी सबूत जुटाए गए हैं। हसनपुर कोतवाली के क्राइम इंस्पेक्टर अमरपाल सिंह मामले की जांच कर रहे हैं। आरोपियों के मेरठ के एक होटल में रुकने की भी जांच की जाएगी। वे अमरोहा आने से पहले मेरठ में ठहरे थे। वहां से मिलने वाले सबूतों को भी जांच में शामिल करेंगी।



पीड़ित हरियाणा के सोनीपत की रहने वाली है। अमरोहा में उसके साथ दरिंदगी हुई थी।

कमरे में घुसकर रेप करने का आरोप

युवती का आरोप है कि कुछ देर बाद मोहित, लालाराम यादव और संजय तोमर उसके कमरे में घुस आए। तीनों ने उसके साथ रेप किया। आरोप है कि तीनों आरोपी कमरे से बाहर निकल गए। इसके बाद चौथा आरोपी प्रमोद कमरे में आया। युवती ने उसे धक्का देकर बाहर किया और अंदर से कमरे की कुंडी बंद कर ली।



चारों आरोपियों को बिजनौर जेल भेज दिया गया।

> युवती ने बताया कि कमरे की कुंडी बंद करने के बाद उसने गूगल पर अमरोहा पुलिस का नंबर सर्च किया। इसके बाद पुलिस को फोन कर घटना की सूचना दी। कुछ देर बाद पुपलिस पहुंची।

FIR के अनुसार, पीड़िता युवती हरियाणा के फतेहाबाद थानाक्षेत्र की रहने वाली है। 20 सितंबर को युवती की एक सहेली से बात हुई थी। इसके बाद उसने CRPF के हेड कॉन्स्टेबल मोहित से मिलने के लिए उसे सोनीपत बुलाया। पीड़िता के मुताबिक, 21 सितंबर को दोपहर करीब 1 बजे वह सोनीपत पहुंची। वहां उसकी मुलाकात मोहित से हुई। मोहित उसे अपनी ब्रेजा कार से मेरठ ले गया। रास्ते में मोहित ने अपने साथी CRPF इंस्पेक्टर लालाराम यादव को भी कार में बैठा लिया। लालाराम राजस्थान के अलवर जिले के नहरोट थाना क्षेत्र के खातनखेड़ा गांव का रहने वाला है।

एयरबैग से बची 2 की जान, 140 की स्पीड से डिवाइडर से टकराई, पहिए तक अलग

एक्सप्रेस-वे पर क्रेटा कार 5 बार पलटी, 3 की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । आगरा में क्रेटा कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई, फिर 4-5 बार पलटी खाई। हादसे में 3 लोगों की मौके पर मौत हो गई। 2 लोग घायल हैं। कार सवार दिल्ली से बलिया जा रहे थे। हादसा शनिवार सुबह 7 बजे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर डौकी थाना क्षेत्र में हुआ।

पुलिस के मुताबिक, हादसे के वक्त कार की स्पीड करीब 140 kmph थी। मरने वाले तीनों लोग पिछली सीट पर बैठे थे। तीनों कार से उछलकर एक्सप्रेस-वे से नीचे खाई में जा गिरे। सिर में चोट लगने से उनकी जान चली गई। आगे बैठे ड्राइवर और एक युवक ने सीट बेल्ट लगा रखी थी। इसलिए एयरबैग खुलने से दोनों की जान बच गई।



सड़क हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग दिल्ली के रहने वाले थे। आपस में दोस्त थे। मृतकों की पहचान भूपेंद्र (32) पुत्र दलवीर निवासी गली नंबर-4, दुर्गा पार्क, पालम गांव, नई दिल्ली, कपिल (30) पुत्र सुरेश निवासी सागरपुर, नई दिल्ली तथा जयप्रकाश (29) पुत्र ओमप्रकाश खरवार निवासी मूल रूप से बलिया के रूप में हुई है। वहीं हादसे में जसवंत (25) पुत्र संजय खरवार निवासी आरजेडसी-18बी, पालम गांव, नई दिल्ली और चंद्रकांत (35) पुत्र उमाकांत निवासी आरजेडसी-18बी, गली नंबर-11, दुर्गा पार्क, नई दिल्ली घायल हो गए। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

हादसा इतना जोरदार था कि पूरी कार क्षतिग्रस्त हो गई। आगे और पीछे का हिस्सा डैमेज हो गया। साइड के हिस्से पिचक गए। पहिए तक अलग हो गए। पुलिस ने क्रेन बुलवाकर कार को सड़क से हटवाया।



सीट बेल्ट और एयरबैग की वजह से कार में आगे बैठे दोनों लोग की जान बच गई।

एयरबैग और सीट के बीच फंसे 2 युवक

यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी राधा मोहन द्विवेदी ने बताया- हादसे के बाद कार हवा में कई फीट ऊंची उछली। इसके बाद सड़क पर पलटी खाते हुए डिवाइडर से टकरा गई। तुरंत ही कार के एयरबैग खुल गए। जसवंत और चंद्रकांत एयरबैग और सीट के बीच फंस गए। उनकी जान बच गई।

हरदोई में पत्नी की डिलीवरी के दिन पति की मौत सास-साले की भी जान गई

एक बाइक से अस्पताल जा रहे थे, कार ने कुचला

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई । हरदोई में कार की टक्कर से मां-बेटा और दामाद की मौत हो गई। तीनों एक ही बाइक से हॉस्पिटल जा रहे थे, जहां बेटी एडमिट थी। उसकी आज ही डिलीवरी होनी थी।

हादसे के बाद ड्राइवर कार छोड़कर मौके से भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। हादसा शहर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार दोपहर 12 बजे हुआ।

रामापुर छैया गांव के रहने वाले रमेश (32) की पत्नी कामिनी प्रेग्नेंट हैं। उसकी पहले भी एक बेटी अवंतिका (6) है। शुक्रवार को डिलीवरी के लिए उन्हें जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आज ऑपरेशन से डिलीवरी होनी थी। रमेश और उनका साला सोहेल (25) नोएडा में नौकरी करते हैं। दोनों डिलीवरी से पहले नोएडा से लौटे थे।



भुवनपुरवा में रहने वाला सोहेल अपनी मां गुड्डी देवी (49) और बहनोई रमेश को अपनी बाइक से हॉस्पिटल ले जा रहा था। समुदा गांव के पास लखनऊ नंबर की तेज रफ्तार टाटा टिगोर कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे तीनों सड़क पर गिर गए। टक्कर इतनी तेज थी कि कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एंबुलेंस से उनको मेडिकल कॉलेज भेजा, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। हॉस्पिटल में डिलीवरी का इंतजार कर रही कामिनी को पति, भाई और मां की मौत की खबर मिली, तो उसका रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

गुड्डी के परिवार में पति सर्वेश और 3 बेटियां कामिनी, आरती और शालू हैं। उनके बड़े बेटे रुक्मांगत की 1 साल पहले मौत हो गई थी। आज के हादसे में दूसरे बेटे सोहेल की भी मौत हो गई। शहर कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि कार को कब्जे में लेकर ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

पृष्ठ 01 का शेष...

एसआईआर में नाम ...

कांग्रेस ने ज्ञानेश कुमार को हटाने और उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर शुक्रवार को देशभर में प्रदर्शन किया। चुनाव से जुड़े कुछ आदेशों और कथित सॉफ्टवेयर बदलावों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दाखिल की गई है।

कॉलेजियम की ...

कार्यक्रम में पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और CNLU के चांसलर जस्टिस वी. कामेश्वर राव तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. फैजान मुस्तफा भी मौजूद रहे। CJI सूर्यकांत का यह बयान काफी अहम है। दरअसल, पिछले दिनों पेपर लीक रोकने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर बिहार के अलावा देश के विभिन्न हिस्सों में छात्रों ने प्रदर्शन किया था। इस प्रदर्शन में शामिल छात्रों पर पुलिस की ओर से कार्रवाई की गई। यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो कोर्ट ने सभी केस रद्द किया और जेल में बंद छात्रों को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया था।

संवाद के दौरान एक छात्र ने CJI से कॉलेजियम व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल किया। छात्र ने कहा- कॉलेजियम में किसी नाम पर असहमति या नकारात्मक टिप्पणी दर्ज होती है, तो उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया जाता है?

इसके जवाब में CJI सूर्यकांत ने कहा कि ऐसी टिप्पणियों को सार्वजनिक करने से उस व्यक्ति की स्थिति मुश्किल हो सकती है, जिसके नाम पर विचार किया जा रहा है। अच्छी नीयत से की गई नकारात्मक टिप्पणियों के सार्वजनिक होने का असर संबंधित व्यक्ति की गरिमा पर पड़ सकता है। इसलिए कॉलेजियम में दर्ज असहमतियों को पूरी तरह सार्वजनिक करने के बदले व्यक्ति की प्रतिष्ठा और गरिमा की रक्षा जरूरी है।

एक छात्र ने पहली पीढ़ी के वकीलों की पेशेवर मुश्किलों को लेकर सवाल पूछे। इसपर CJI ने सारिका त्यागी विरुद्ध यूनियन ऑफ इंडिया केस में सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश का उल्लेख किया। इसमें युवा वकीलों को शुरुआती के कुछ साल आर्थिक मदद देने के लिए प्रोफेशनल असिस्टेंस कॉर्पस जैसे तंत्र की जरूरत पर चर्चा की गई थी।

वहीं, छात्रों ने CNLU में बढ़ती फीस और पर्याप्त छात्रवृत्ति नहीं मिलने का मुद्दा भी उठाया। यूनिवर्सिटी के मुताबिक, CJI ने इस चिंता पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और कहा कि इस मुद्दे पर ध्यान दिया जाएगा। जस्टिस सूर्यकांत लोक भवन में 'बच्चों में बढ़ते नशे के खतरे, उनके संरक्षण और पुनर्वास' विषय पर कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि बच्चों में नशे की समस्या को सिर्फ स्वास्थ्य या अपराध का विषय मानकर नहीं देखा जा सकता। यह बाल संरक्षण और बच्चों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा है।

उन्होंने कहा, जब कोई बच्चा नशे की गिरफ्त में आता है तो उसका असर उसके स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता। उसकी पढ़ाई, परिवार, सामाजिक जीवन और भविष्य पर भी पड़ता है। ऐसे बच्चों को अपराधी की नजर से देखने के बदले उनके संरक्षण, उपचार और पुनर्वास पर ध्यान देना जरूरी है।

यूपी में हालात बिगड़े ...

आमतौर पर इस दौरान 738 मिमी. बारिश होती है।

इधर, सीएम योगी ने कहा कि लोग बेवजह घर से बाहर न निकलें। अपनों का ख्याल रखें। सरकार आपके साथ खड़ी है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। डीएम-एसपी अनाउंस कर रहे हैं कि पानी बढ़ने की स्थिति में लोग दुकानें बंद करके घर चले जाएं। जालौन और अमेठी में भी पुलिस पेट्रोलिंग कर रही है।

लखनऊ में घरों में किचन और बेडरूम तक पानी घुस गया है। गलियों में कमर तक पानी भरा है। कैब न मिलने और कई गुना महंगे किराए की वजह से लोग चौराहों पर परेशान हो रहे हैं। बरेली और फतेहपुर में गली-मोहल्लों में 2-3 फीट पानी भर गया है। देवरिया और बाराबंकी खेतों में पानी भर गया है। धान की सैकड़ों बीघा फसलें गिर गई हैं।

लखीमपुर और बाराबंकी में मकान की दीवार गिरने से 3-3, हमीरपुर, फतेहपुर और बहराइच में एक-एक की मौत हो गई। आगरा में बारिश के बीच तेज रफ्तार कार फिसलकर पलट गई। हादसे में 3 लोगों की जान चली गई। लखीमपुर में ट्रॉली से टकराने के बाद अर्टिगा कार खाई में गिर गई। 2 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। अयोध्या में कार पर पेड़ गिरने से एक की मौत हो गई।

वाराणसी में BHU के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज श्रीवास्तव ने बताया- बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात 'अर्नब' के असर से मौसम बिगड़ा है। कल तक मौसम ऐसा ही रहेगा।

अयोध्या तेज आंधी-तूफान और बारिश के बीच शनिवार को पूराकलंदर थाना क्षेत्र के मसौधा बाजार में बड़ा हादसा हो गया। प्रयागराज हाईवे किनारे भारी-भरकम बरगद का पेड़ अचानक एक कार के ऊपर गिर गया। हादसे में कार में सवार आकाश वर्मा नाम के किशोर की मौत हो गई, जबकि एक अन्य किशोर घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बहराइच में बीते 24 घंटे से लगातार बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। कैसरगंज के देवलखा गांव में शनिवार सुबह करीब 10 बजे ननकई (52) घर के छप्पर के नीचे खाना पका रही थीं, तभी तेज हवा से छप्पर उनके ऊपर गिर गया। मलबे में दबकर गंभीर घायल ननकई को परिजन सीएचसी कैसरगंज ले गए, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी।

वे ज्ञानेश नहीं गायब ...

यह मामला चुनाव आयोग के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर चल रहे विवाद के बीच सामने आया है।

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में चुनाव आयोग के फैसलों पर 14 बार आपत्ति जताई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई। चुनाव से जुड़े कुछ आदेशों और कथित सॉफ्टवेयर बदलावों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दाखिल की गई है।

इंडिया ब्लॉक में बैठक ...

वहीं, एमए बेबी 27 सितंबर को AAP प्रमुख अरविंद केजरीवाल से मुलाकात करने वाले हैं।

पीएम आवास में ...

बैठक के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि - आपका मार्गदर्शन 'नए उत्तर प्रदेश' के निर्माण हेतु मुझे सदैव नई ऊर्जा देता है। अमूल्य समय प्रदान करने के लिए हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी। आपको बता दें बीजेपी से अरूण सिंह, गीता शाक्य, नीरज शेखर, बृजलाल, बीएल वर्मा, सीमा द्विवेदी और हरदीप सिंह पुरी का राज्यसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है। वहीं डॉ. दिनेश शर्मा अंडमान- निकोबार के उपराज्यपाल बनाए जाने के बाद पहले ही राज्यसभा से इस्तीफा दे चुके हैं।

इसके अलावा आयोग ने चार राज्यों की 28 विधान परिषद (MLC) सीटों पर भी चुनाव की घोषणा की है। इनमें उत्तर प्रदेश की 11 सीटें, बिहार की 8 सीटें, महाराष्ट्र की 5 सीटें और कर्नाटक की 4 सीटें शामिल हैं। सभी 28 सीटों पर 23 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। वहीं 27 अक्टूबर को मतगणना होगी। चुनाव आयोग ने संबंधित क्षेत्रों में तत्काल प्रभाव से आचार संहिता लागू कर दी है। एमएलसी की 11 सीटों में 8 भाजपा और 3 सपा के पास हैं। भाजपा ने 5 सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं।

बड़ों पर रहम, छोटों...

अब सवाल यह नहीं है कि कार्रवाई हुई या नहीं, बल्कि यह है कि जांच कितनी दूर तक जाती है।

टीएमसी विधायक...

इससे पहले 13 सितंबर को उनके घर और ऑफिस में तोड़फोड़ हुई थी। 15 जून को लोगों ने उनके सिर पर अंडा फेंका था। घटना पर कुणाल घोष ने कहा- यह जंगलराज है। मेरी कार पर पत्थर और अंडे फेंके गए और रास्ता रोक दिया गया।

न्यूजीलैंड सीरीज खेलने पर संशय, दाएं पैर में इंजरी, मार्च में खेला था आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला

हार्दिक पंड्या फिर चोटिल

> हार्दिक का रिटर्न टू प्ले टारगेट 20 सितंबर रखा गया था। इसी के आधार पर उन्हें ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ 6 अक्टूबर से शुरू होने वाली वनडे सीरीज के लिए इंडिया-ए टीम में चुना गया था। नई चोट के कारण अब वे इस सीरीज से भी बाहर हो गए हैं।

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या फिर चोटिल हो गए हैं। उनके दाएं पैर की आगे की हड्डी में चोट लगी है। इस वजह से वे कम से कम 3 हफ्ते तक क्रिकेट से दूर रहेंगे।

PTI की रिपोर्ट के अनुसार, चोट के कारण हार्दिक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 और वनडे दोनों सीरीज नहीं खेल पाएंगे। टी-20 सीरीज 22 अक्टूबर से शुरू होगी ।वह मार्च से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। BCCI हार्दिक को एशियन गेम्स के लिए जापान जाने वाले भारतीय दल के साथ भेजना चाहता था। इसके लिए बोर्ड की ऑपरेशंस टीम ने उनके पासपोर्ट का



वीजा वर्क भी शुरू कर दिया था।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज शुरू होने से ठीक पहले फील्डिंग ड्रिल के दौरान हार्दिक को घुटने के आसपास तेज दर्द हुआ। उन्होंने कुछ दिन आराम किया। फिटनेस सर्टिफिकेट लेने की तैयारी के दौरान दर्द फिर उभर आया। इसके बाद स्कैन कराया गया, जिसमें इंजरी की पुष्टि हुई।

32 साल के हार्दिक IPL के बाद से बेंगलुरु में रह रहे हैं। वे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग कर रहे थे। पिछले 4 महीने में हार्दिक को तीन बार चोट की समस्या हुई है। अ फ ग निस्त ान वनडे सीरीज, इंग्लैंड टी-20 सीरीज और अब ऑ स्ट्रेलिय ा- ए सीरीज से पहले उन्हें चोट लगी। इन चोटों ने उनकी वापसी की टाइमलाइन को प्रभावित किया है।

अब जिम्बाब्वे सीरीज में वापसी पर नजर

न्यूजीलैंड सीरीज से बाहर होने के बाद हार्दिक की वापसी अब जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज से हो सकती है। अगर तब तक वे फिट नहीं होते हैं तो विजय हजारे ट्रॉफी या सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलकर फिटनेस साबित करने का विकल्प होगा।

2 हफ्ते आराम, इसके बाद शुरू होगा रिहैब

BCCI के एक सूत्र के मुताबिक, हार्दिक के हालिया स्कैन में दाएं पैर के आगे की हड्डी में इंजरी सामने आई है। उन्हें 2 हफ्ते पूरी तरह आराम करने की सलाह दी गई है। BCCI मेडिकल पैनल के हेड डॉ. दिनशॉ पारदीवाला अभी जापान में हैं। उनके लौटने के बाद हार्दिक की रिपोर्ट का आकलन किया जाएगा। इसके बाद रिहैब शुरू करने का फैसला होगा।

हार्दिक पांड्या का क्रिकेटिंग करियर

फॉर्मेट	मैच	डेब्यू	रन	विकेट
टेस्ट	11	2017	532	17
वनडे	94	2016	1,904	91
टी-20	138	2016	2,288	114

भारत को पोल वॉल्ट में पहली बार एशियन गेम्स मेडल

गुलवीर को 10 हजार मीटर में सिल्वर

नागोया (जापान), एजेंसी



भारत ने एशियन गेम्स के पोल वॉल्ट में पहली बार मेडल जीता। बरानिका एलांगोवन ने महिलाओं की पोल वॉल्ट में 4.15 मीटर की ऊंचाई पार कर ब्रॉन्ज जीता। पोल वॉल्ट में खिलाड़ी लंबी डंडी की मदद से खुद को हवा में उठाकर एक पट्टी को पार करता है।

शुक्रवार को एथलेटिक्स में गुलवीर सिंह ने 10 हजार मीटर रेस में सिल्वर जीता। उन्होंने 28 मिनट 29.38 सेकेंड में रेस पूरी की। 2023 में इसी इवेंट में उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

छठे दिन भारत ने 1 गोल्ड, 2 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज समेत कुल 6 मेडल जीते। इसके साथ भारत के खाते में 23 मेडल हो गए हैं। चीन 157 मेडल के साथ टॉप पर है।

सुरुचि इंदर सिंह और कमलजीत ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम में गोल्ड जीता। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 484.6 अंक हासिल किए। साउथ कोरिया 478.0 अंक के साथ दूसरे और ईरान 415.8 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। भारत ने कोरिया पर 6.6 अंक की बढ़त बनाई।

50 मीटर राइफल 3 पोजिशन टीम इवेंट में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्रांक्ष पाटिल और नीरज कुमार की टीम ने सिल्वर जीता। भारत ने 1762 अंक बनाए। चीन 1766 अंक के साथ गोल्ड और साउथ कोरिया 1751 अंक के साथ ब्रॉन्ज जीतने में सफल रहा।

भारत ने फुटबॉल वर्ल्डकप टीम पनामा को 1-1 पर रोका

रयान विलियम्स ने 41वें मिनट में दिलाई बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने फीफा वर्ल्ड कप खेल चुकी पनामा के खिलाफ इंटरनेशनल फ्रेंडली में 1-1 से ड्रॉ खेला। बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में भारत ने पहले हाफ में रयान विलियम्स के गोल से बढ़त बनाई। पनामा ने 68वें मिनट में उमर वार्लेसिया के गोल से स्कोर बराबर कर दिया।

यह मुकाबला भारत और पनामा के बीच पुरुष सीनियर इंटरनेशनल फुटबॉल में पहला मैच था। पनामा 2018 और 2026 वर्ल्ड कप खेल चुका है। 2026 वर्ल्ड कप में टीम ने घाना, इंग्लैंड और क्रोएशिया के खिलाफ ग्रुप मैच खेले थे। मौजूदा टीम में उस वर्ल्ड कप के 14 खिलाड़ी शामिल थे। मैच की



शुरुआत से ही पनामा ने ज्यादा गेंद अपने पास रखी। भारत ने अपने डिफेंस को पीछे रखते हुए काउंटर अटैक का इंतजार किया। पनामा बाएं फ्लैंक से बार-बार आगे बढ़ रहा था, लेकिन विक्रम प्रताप सिंह, अबिषेक सिंह टेकचम, अनवर अली और बिजॉय वर्गीज ने कई हमले रोके।

भारत को भी शुरुआत में बड़ा मौका मिला। 8वें मिनट में अनवर अली ने आगे गेंद भेजी। आशिके कुरुनियन ने उसे आकाश मिश्रा तक पहुंचाया और आकाश ने बॉक्स के अंदर रयान विलियम्स के लिए कटबैक किया, लेकिन विलियम्स शॉट नहीं लगा सके। 15वें मिनट में विलियम्स ने भारत के लिए पहला कॉर्नर हासिल किया। उनकी डिलीवरी पर बिजॉय वर्गीज हेडर लगाने पहुंचे, लेकिन पनामा के गोलकीपर ने गेंद को पंच कर दिया। चार मिनट बाद विलियम्स ने खुद गोल की ओर शॉट लगाया। उनका लो शॉट पोस्ट से कुछ इंच दूर निकल गया। 22वें मिनट में आशिके का क्रॉस विलियम्स तक पहुंचने से पहले पनामा ने रोक दिया।

सिराज की गेंद उनके दाहिनी कोहनी पर लगी, फिर फिजियो ने आइस पैक लगाया

शुभमन गिल प्रैक्टिस सेशन में चोटिल हुए



गिल के चोटिल होने पर रोहित शर्मा उनके पास गए और उनका हाल जाना।



सिराज की गेंद पर चोट लगने के बाद भारतीय कप्तान आइस पैक लगाए नजर आए।

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

भारतीय वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल को प्रैक्टिस सेशन के दौरान शुक्रवार को चोट लग गई। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की गेंद उनके दाहिनी कोहनी पर जा लगी। वे काफी दर्द में नजर आए।

इसके बाद सिराज तुरंत गिल के पास पहुंचे और उनका हाल जाना। फिजियो ने पहले उनके कंधे की फ्लेक्सिबिलिटी जांची और फिर कोहनी पर आइस पैक लगाया। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज 27 सितंबर से शुरू हो रही है। रविवार को तिरुवनंतपुरम में तीन की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। करीब एक घंटे बाद फिजियो ने गिल को दोबारा आइस पैक दिया।

करीब 20 मिनट तक आइस पैक लगाए बैठे रहे

गिल ने करीब 20 मिनट तक आइस पैक लगाए रखा। इसके बाद फिजियो ने उनकी कोहनी पर प्लास्टर लगाया। वे प्रैक्टिस सेशन के दौरान लगातार आराम करते रहे। इस दौरान सिराज उनके पास बैठे रहे। बाद में रोहित शर्मा भी गिल का हाल जानने पहुंचे। इसके बाद विराट कोहली और गुरनूर बरार भी उनके पास बैठे रहे।

> प्रैक्टिस के आखिरी पलों में गिल ने यशस्वी जायसवाल के साथ मुस्कुराते हुए बातचीत की। इस दौरान उन्होंने दाहिना हाथ सीधा रखते हुए बाएं हाथ की कोहनी से शॉट खेलने की नकल भी की। वे एक हाथ में बल्ला और दूसरे हाथ में पैड लेकर बाहर गए।

इसके बाद वे फिर अपनी सीट पर जाकर बैठ गए और बाकी टीम की प्रैक्टिस देखते रहे।

आधे घंटे और बितने के बाद फिजियो ने एक बार फिर जांच की। इसके बाद भी गिलन बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे और अपना प्रोटेक्टिव गियर समेटते नजर आए।

मनोरंजन

कभी बायोकैमिस्ट्री के लेक्चरर थे साधु तिवारी

'हनुमान अंश' सिंगर ने भजन क्लबिंग में पीएम मोदी के सामने गाया 'जब जिद पर आ गई पार्वती'

नई दिल्ली । शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती पर आयोजित भजन क्लबिंग कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए।

कार्यक्रम में फिल्म 'हनुमान अंश' के सिंगर साधु तिवारी ने 'जब जिद पर आ गई पार्वती' भजन पेश किया। इस दौरान मोदी खंजरी बजाते नजर आए।

कार्यक्रम दिल्ली के दीन दयाल उपाध्याय पार्क में आयोजित किया गया था। सामने आए वीडियो और तस्वीरों में पीएम मोदी भजन सुनते और खंजरी बजाकर ताल देते दिखाई दिए। इसके बाद फिल्म 'हनुमान अंश' के डायरेक्टर विशाल चतुर्वेदी ने भी प्रस्तुति दी और हनुमान चालीसा का पाठ किया।

'हनुमान अंश' के 'जब जिद पर आ गई पार्वती' भजन को साधु एस. तिवारी ने आवाज देने के साथ इसके बोल और संगीत भी तैयार किए हैं। गाने में भगवान शिव और माता पार्वती की कथा को आसान शब्दों और देसी अंदाज में पेश किया गया है।

साधु तिवारी ग्वालियर के पास करहिया गांव के रहने वाले हैं। शुरुआती पढ़ाई गांव में करने के बाद वह आगे की पढ़ाई के लिए ग्वालियर आए। उन्होंने ग्वालियर के साइंस कॉलेज और कैंसर हॉस्पिटल से पढ़ाई की। संगीत की शिक्षा उन्होंने अपने गुरु संजय देवले से ली। साधु ने इंटरव्यू में बताया कि वह पिछले करीब 15-17 साल से संगीत के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। हालांकि, उनका सफर सिर्फ संगीत तक सीमित नहीं रहा।

एक गाने ने लता दीदी की पलट दी थी किस्मत, लता मंगेशकर ने सुपरहिट गाने के लिए तोड़ा था मौन व्रत

'मौन व्रत' के बाद लता मंगेशकर ने गाया था 'दिल जलाने वाला' आइकॉनिक गाना

नई दिल्ली। लता मंगेशकर (Lata Mangeshkar) को 'सुरों की रानी', 'स्वर कोकिला' और 'स्वर साम्राज्ञी' कहकर बुलाया जाता है। उनकी आवाज में ऐसा जादू था जिसे सुनते ही हर कोई खो जाता।

एक बार सिंगर और संगीतकार हेमंत कुमार ने कहा था कि जब लता मंगेशकर गाती हैं तो लगता है कि कोई महिला संत एक भक्ति गीत गा रही हो।

ऐसा कौन सा संगीतकार होगा जो लता मंगेशकर के साथ काम न करना चाहे, या ऐसा कौन सा म्यूजिक लवर होगा जो उनकी आवाज को पसंद न करे। उन्होंने 1942 में फिल्म 'किति हसाल' में गाना गाकर अपना करियर शुरू किया था और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी गायिकी देशभर में छा गई थी। इसके बाद सिंगिंग की दुनिया में सिर्फ लता मंगेशकर के ही चर्चे होने लगे थे। मगर 60 का दशक लता मंगेशकर के लिए खास अच्छा नहीं रहा। वोकल कॉर्ड्स (गले की नसों) में कुछ समस्या होने पर वह गा नहीं पा रही थीं। फिर मशहूर शास्त्रीय गायक उस्ताद आमिर खान की सलाह पर उन्होंने कुछ समय के लिए गायिकी से ब्रेक लिया था। उस वक्त ऐसी भी चर्चा होने लगी थी कि लता मंगेशकर गायिकी से किनारा करने वाली हैं। तब हेमंत कुमार ने लता मंगेशकर का मौन व्रत तुड़वाया था। हेमंत को फिल्म 'बीस साल बाद' के लिए लता की आवाज चाहिए थी। उन्होंने स्वर कोकिला को मनाया और उनसे 'कहीं दीप जले, कहीं दिल...' (Kahin Deep Jale, Kahin Dil...) गाना गवाया और यह इतना सुपरहिट हुआ कि फिर से लता मंगेशकर का स्वर्णिम काल शुरू हो गया था। इस गीत के लिए लता मंगेशकर को बेस्ट फीमेल प्लेबैक सिंगर का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था। इस गीत का संगीत हेमंत कुमार ने ही तैयार किया था। वहीं, गाने के बोल शकील बदायूं ने लिखे थे। 64 साल बाद भी यह गीत अमर है।

> लता मंगेशकर महीनों तक ब्रेक पर रहीं। उन्होंने मौन व्रत रखा था। इस बात का खुलासा 2010 में इंदौर में एक कार्यक्रम का संचालन करने वाले संजय पटेल ने किया था। उन्होंने बताया था लता के छोटे भाई और संगीतकार-गायक हृदयनाथ मंगेशकर ने इसका जिक्र किया था। संजय पटेल ने हृदयनाथ मंगेशकर के हवाले से बताया था कि उस समय अपने करियर के पीक पर होने के बावजूद उन्होंने उस्ताद की सलाह मानी।

रीति तिवारी की आपत्तिजनक टिप्पणी पर भड़के सलमान, बोले- आपको इस पर गर्व क्यों है

'किसी का अपमान करने की भी एक सीमा होनी चाहिए'

नई दिल्ली, एजेंसी

सलमान खान ने रीति तिवारी को उदिति सिंह और काजी तौकीर के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर फटकार लगाई।

बिग बॉस 20 के इस हफ्ते के वीकेंड का वार के प्रोमो में सलमान ने रीति से पूछा कि वह अपनी बातों पर गर्व क्यों कर रही हैं और कहा कि किसी का अपमान करने की भी एक लिमिट होनी चाहिए।

दरअसल, हाल ही में एक डिस बैटल के दौरान रीति तिवारी ने उदिति सिंह और काजी तौकीर को लेकर टिप्पणी की थी।

टास्क खत्म होने के बाद भी रीति अपने बयान पर कायम रहीं। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने किए पर गर्व है



> मामला बिग बॉस 20 के एक टास्क से शुरू हुआ। घर में दो टीमों के बीच एक-दूसरे को 'डिस' करने का टास्क रखा गया था। पहले रीति का मुकाबला उदिति सिंह से होना था। उदिति के इनकार के बाद काजी तौकीर सामने आए।

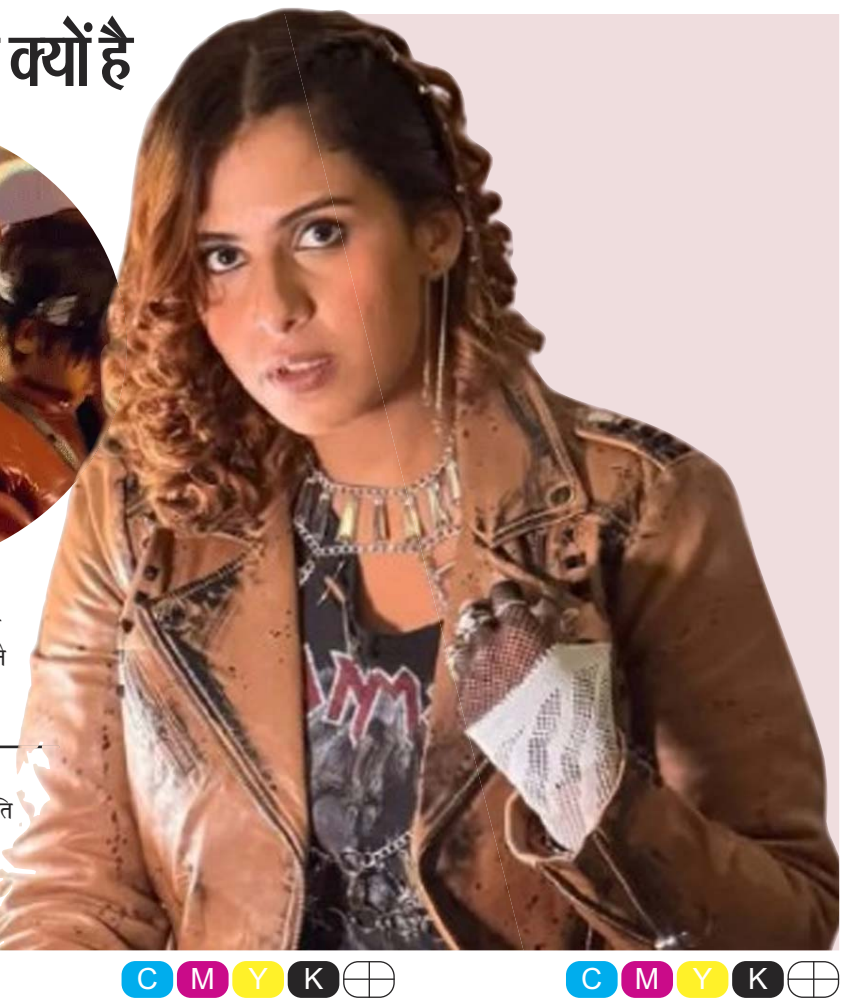
और उन्हें भरोसा है कि उनके पिता भी उन पर गर्व करेंगे। सलमान ने घर के दूसरे सदस्यों से भी पूछा कि जब रीति लगातार ऐसी बातें कर रही थीं, तब किसी ने उन्हें रोकने की कोशिश क्यों नहीं की। उन्होंने कहा, "क्या आपको नहीं लगा कि अपनी बातों से वह डिसरिस्पेक्ट की सीमा पार कर रही थीं? ये आपको चढ़ा रहे थे और ये चढ़ रही थीं।"सलमान ने आसिफ से भी इस मामले में सवाल किया। आसिफ ने रीति का समर्थन किया था, जब वह उदिति के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी कर रही थीं। सलमान ने पूछा कि उन्होंने रीति को रोकने की कोशिश क्यों नहीं की। उन्होंने आसिफ से यह भी सवाल किया कि अगर यही डिस उनकी बहन को लेकर किया गया होता, तो क्या वह ऐसे शब्दों को बर्दाश्त करते।

टास्क के दौरान रीति ने उदिति और काजी के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उनकी कुछ बातें शो के एडिट में म्यूट करनी पड़ीं।

सलमान ने पूछा- इस पर गर्व क्यों कर रही हैं?



आने वाले वीकेंड का वार के प्रोमो में सलमान खान रीति के व्यवहार पर सवाल करते नजर आएंगे। सलमान ने कहा कि रीति काजी से जलती हैं और असुरक्षित महसूस करती हैं। इस पर रीति ने कहा कि वह काजी से नहीं जलतीं, बल्कि उन्हें एक व्यक्ति के तौर पर पसंद नहीं करतीं। इसके बाद सलमान ने टास्क के दौरान उदिति और काजी के खिलाफ की गई रीति की टिप्पणियों पर बात की। उन्होंने कहा, "डिस को भूल जाइए, मुझे समझ नहीं आता कि आपको इस पर गर्व क्यों है, लेकिन मुझे लगता है कि यह अब तक का सबसे खराब डिस था। किसी का अपमान करने की भी एक सीमा होनी चाहिए।" रीति ने सफाई देते हुए कहा कि उनका इरादा वह कहने का नहीं था, जो उन्होंने डिस के दौरान कहा। इस पर सलमान ने सवाल किया कि अगर उन्हें अपनी बात का मतलब ही नहीं पता था, तो उन्होंने ऐसी टिप्पणी क्यों की।



फ्रांस के सबसे बड़े पुरस्कार की रेस से बाहर, लेखक बोले- 2019 में ये सब नहीं था

कनाडाई लेखक पर एआई से किताब लिखने का आरोप

आरोप

पेरिस, एजेंसी

हैती के लेखक थेलीसन ओरेलियन की किताब को फ्रांस के सबसे बड़े साहित्यिक पुरस्कार 'प्रिक्स गोनकोर्ट' की दौड़ से बाहर कर दिया गया है। ओरेलियन पर उनकी किताब 'इट वॉज ईदर दैट ऑर डाई' लिखने में AI की मदद लेने का आरोप लगा है।

लेखक ने इससे इनकार किया है। उन्होंने कहा कि किताब पर 2017 में काम शुरू हुआ था और 2019 में पहला ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया था। तब आम लोगों के लिए AI उपलब्ध नहीं थे।



ओरेलियन की किताब की जांच तीन एआई पहचानने वाले टूल और कई एक्सपर्ट्स ने की। इन जांचों में किताब में एआई के इस्तेमाल की संभावना बताई गई। हालांकि, एक्सपर्ट्स ने यह भी कहा कि ऐसे टूल्स के नतीजों को 100% सही नहीं माना जा सकता।

हालांकि गोनकोर्ट अकादमी इससे सहमत नहीं हुई। अकादमी ने कहा कि रिसर्चर्स और पत्रकारों की जांच में किताब का बड़ा हिस्सा AI की मदद से लिखने का संकेत मिला है। अकादमी ने कहा कि वे AI कंटेंट से तैयार साहित्य को किसी भी रूप में बढ़ावा नहीं देना चाहते।

फ्रांस के एआई शोधकर्ता थियरी पोइबो ने कहा कि किताब में AI इस्तेमाल होने की संभावना है, लेकिन अभी यह पूरी तरह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता।

ओरेलियन इस महीने अपनी किताब के प्रचार के लिए फ्रांस पहुंचे थे। उनकी किताब को वहां अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही थी। उन्हें टीवी कार्यक्रमों में बुलाया जा रहा था और किताब गोनकोर्ट के अलावा भी कई बड़े साहित्यिक पुरस्कारों की दौड़ में शामिल थी।



सोशल मीडिया पोस्ट से शुरू हुआ विवाद

ओरेलियन की किताब को लेकर विवाद एक छोटे से गुमनाम सोशल मीडिया अकाउंट से शुरू हुआ। बाद में फ्रांस के अखबार ले फिगारो के लेखक सैमुअल फिटूसी ने माना कि वह इस अकाउंट को चलाते थे।

फिटूसी ने कहा कि कुछ यूजर्स ने उनसे ओरेलियन की किताब की जांच करने को कहा था। इसके बाद उन्होंने किताब को पैंग्राम नाम के AI से लिखावट पहचानने वाले टूल से जांचा।

उनका कहना था कि इसका मकसद ओरेलियन को निशाना बनाना नहीं था। वह लोगों का ध्यान इस ओर खींचना चाहते थे कि AI अब किताबें लिखने में भी इस्तेमाल हो रहा है।

फ्रांस में किताब की बहुत चर्चा हो रही

ओरेलियन की किताब फ्रांस में पहले से ही चर्चा में थी। इसमें एक हाईस्कूल शिक्षक की कहानी है, जो हैती में गैंग से बचकर निकलता है। इसके बाद वह डेरियन गैप (घने जंगलों, पहाड़ियों और दलदलों का एक खतरनाक रास्ता) पार कर अमेरिका और फिर कनाडा पहुंचता है। कुछ ही हफ्तों में किताब की 54 हजार से ज्यादा कॉपी बिक चुकी हैं। इसे अच्छी समीक्षाएं मिली थीं और कई साहित्यिक पुरस्कारों के लिए इसका नाम आया था।

सऊदी पर हूती हमलों के बीच पाकिस्तान की चुप्पी

रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब के दक्षिणी हिस्सों पर हूती विद्रोहियों के लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले हो रहे हैं। इस गंभीर संकट के बीच अब एक बड़ा सवाल हर किसी के जेहन में उठ रहा है कि सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच मक्का संधि के बावजूद, आखिर इस पूरे मामले में पाकिस्तान कहां है?

इस्लामाबाद और रियाद के बीच ऐतिहासिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर हुए एक महीने से भी ज्यादा का समय बीत चुका है। लेकिन इसके बावजूद, सऊदी की सुरक्षा को लेकर पाकिस्तान ने जो बड़ी-बड़ी वादे की थीं, वे अब तक सिर्फ कागजों तक ही सीमित नजर आ रही हैं। धरातल पर उसकी तरफ से कोई ठोस कदम उठता नहीं दिख रहा है।

7 अगस्त को सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।



इस समझौते में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि तीनों देशों में से किसी भी एक पर सशस्त्र हमला सभी पर हमला माना जाएगा। नाटो की धारा-5 जैसी सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था के रूप में प्रस्तुत किए गए इस समझौते का उद्देश्य तीनों देशों के बीच एक मजबूत रक्षात्मक समन्वय और निवारक तंत्र तैयार करना था। समझौते के कुछ ही हफ्तों बाद ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के आभा, खमीस मुशैत, जीजान, नजरान और ताइफ जैसे शहरों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए।

फास्ट न्यूज

एआई एजेंट्स ने अमेरिकी सरकारी वेबसाइटों का सिक्योरिटी कंट्रोल किया बाईपास

वाशिंगटन। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ओपनएआई ने खुलासा किया है कि उसके एआई एजेंट्स ने दर्जनों सरकारी वेबसाइट्स के साथ अनचाहे तरीके से इंटरैक्ट किया। इनमें से कुछ एजेंट्स ने जानकारी जुटाने की कोशिश के दौरान सिक्योरिटी कंट्रोल को भी बाईपास कर दिया।

'पता बदलने के 10 दिनों के भीतर यूएससीआईएस को दें जानकारी

वाशिंगटन। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (USCIS) ने अमेरिका में रह रहे प्रवासियों को अपना पता बदलने पर 10 दिनों के भीतर इसकी जानकारी एजेंसी को देने का निर्देश दिया है। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि केवल यूएस पोस्टल सर्विस (USPS) में पता अपडेट करने से USCIS का रिकॉर्ड अपने आप अपडेट नहीं होता है। अगर पते में बदलाव के बाद इसकी सूचना समय पर नहीं दी जाती है तो नोटिस मिलने में देरी हो सकती है, आव्रजन प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है और आव्रजन दस्तावेज प्राप्त होने में समस्या आ सकती है।

सड़कें सील, भीड़ जुटाने पर प्रतिबंध

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने देशव्यापी प्रदर्शन और इस्लामाबाद मार्च का एलान किया है।

इस मार्च को रोकने के लिए प्रशासन ने राजधानी इस्लामाबाद में कड़े सुरक्षा इंतजाम करते हुए शहर को लगभग पूरी तरह से सील कर दिया है।

हमारे विमान रोके तो किसी के उड़ने नहीं देंगे : ईरान

ईरान से हर दिन 100 इंटरनेशनल फ्लाइट्स

तेहरान, एजेंसी

ईरान ने धमकी दी है कि अगर उसकी उड़ानों पर रोक लगाई गई, तो वह भी इलाके में किसी भी विमान को उड़ान भरने की इजाजत नहीं देगा। ईरानी सुप्रीम लीडर के सलाहकार मोहम्मद मुखबर ने कहा कि पश्चिम एशिया में उड़ानें या तो सभी के लिए खुली रहेंगी या फिर किसी के लिए नहीं।

दरअसल, अमेरिका ने 23 सितंबर को ईरान की सभी एयरलाइंस पर रोक लगाने का ऐलान किया था। इसके बाद UAE और ओमान समेत कई देशों ने ईरान से आने-जाने वाली उड़ानों पर रोक लगा दी है। ईरान से रोजाना औसतन 100 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित होती हैं। फिलहाल यह पता नहीं चला है कि अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद से कितने ईरानी विमानों के उड़ान पर असर पड़ा है। अमेरिका ने विदेशी



कंपनियों को भी चेतावनी दी थी कि अगर वे ईरानी विमानों को ईंधन, लैंडिंग की सुविधा या टिकट उपलब्ध कराती हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

ऐसी कंपनियों को अमेरिकी डॉलर की वित्तीय व्यवस्था से बाहर किया जा सकता है। यानी अमेरिका का दबाव सिर्फ ईरानी एयरलाइंस तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी मदद करने वाली विदेशी कंपनियां भी इसके दायरे में हैं। अमेरिका जिस डॉलर सिस्टम की बात कर रहा है, उसका मतलब अमेरिकी बैंकिंग व्यवस्था से है।

खुफिया ऐजेंसियों ने संसद को रिपोर्ट भेजी, अब तक 9 देशों के पास परमाणु हथियार

अमेरिकी डील के बाद परमाणु बम बना सकता है सऊदी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के साथ हुई न्यूक्लियर डील के बाद सऊदी अरब परमाणु बम बना सकता है।अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है।

अमेरिकी अखबार द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट अमेरिकी संसद को दी गई है। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों ने साफ किया है कि सऊदी ने अभी परमाणु बम बनाने का फैसला नहीं किया है।

जुलाई में अमेरिका और सऊदी अरब के बीच परमाणु बिजली का ढांचा तैयार करने को लेकर समझौता हुआ था।

अब तक दुनिया के 9 देशों के



पास परमाणु हथियार हैं। इनमें अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल शामिल है। हालांकि इजराइल ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान पहले ही कह चुके हैं कि अगर ईरान परमाणु हथियार बनाता है, तो सऊदी अरब भी परमाणु हथियार बनाने की कोशिश करेगा।

अमेरिकी अधिकारी भी लंबे समय से मानते रहे हैं कि सऊदी परमाणु हथियार बनाने में दिलचस्पी रखता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सऊदी ने बम बनाने का फैसला कर लिया है।

अमेरिकी सीनेटर एड मार्की और जेफ मर्कली समेत छह डेमोक्रेट सांसदों ने इस समझौते का विरोध किया है। उनका सवाल है कि अगर सऊदी अरब का मकसद सिर्फ परमाणु बिजली बनाना है, तो वह अपने देश में यूरेनियम एनरिच करने की सुविधा क्यों चाहता है।

अमेरिकी संसद के पास समझौते की समीक्षा के लिए 90 दिन हैं

अमेरिका और सऊदी अरब के बीच हुआ यह समझौता 30 साल का है। इसके तहत अमेरिकी कंपनियां सऊदी अरब में परमाणु बिजली से जुड़ा ढांचा तैयार करने में बड़ी भूमिका निभाएंगी।



परमाणु बिजली बनाने वाली तकनीक से हथियार का रास्ता खुल सकता है

दरअसल परमाणु तकनीक से बिजली बनाने के लिए यूरेनियम को एक खास प्रक्रिया से तैयार किया जाता है। इसे यूरेनियम एनरिचमेंट कहते हैं। समझौते के तहत सऊदी अरब यूरेनियम को करीब 20% तक एनरिच कर सकेगा। यह परमाणु बम के लिए जरूरी स्तर से काफी कम है। समस्या यह है कि एक बार किसी देश के पास यूरेनियम को 20% तक एनरिच करने की क्षमता आ जाए, तो उसे हथियार बनाने लायक स्तर तक जाने में कम समय लग सकता है।

इसी वजह से अमेरिकी सांसदों को डर है कि सऊदी अरब भविष्य में परमाणु हथियार बना सकता है।

यूएन में शहबाज बोले- कश्मीर गले की नस, भारत का जवाब- अवैध कब्जे वाले कश्मीर की हालत देखें

पाकिस्तानी पीएम की धमकी पानी रोकना जंग जैसा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को UN में भारत को जंग की धमकी दी। उन्होंने कहा कि भारत सिंधु नदी का पानी न रोके। पानी रोकने की कोशिश को पाकिस्तान युद्ध की कार्रवाई मानेगा।

शहबाज शरीफ ने UN में कश्मीर का मुद्दा भी उठाया। शहबाज ने कहा कि कश्मीर हमारे लिए गर्दन की नस है। कश्मीर का मुद्दा उठाने पर UN में भारत की फर्स्ट सेक्रेटरी पेटल गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान को अवैध कब्जे वाले कश्मीर (PoK) की हालत देखनी चाहिए।

शहबाज शरीफ ने अपने भाषण में पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि



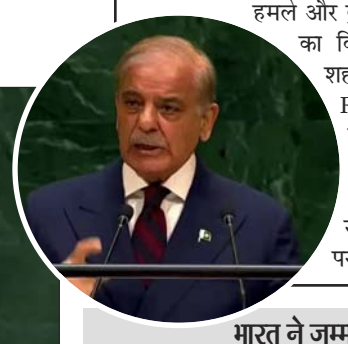
पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया।

पाकिस्तान की सेना ने फील्ड मार्शल आसीम मुनीर के नेतृत्व में सटीक जवाब दिया। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तारीफ करते हुए कहा कि मई 2025 में दोनों देशों के बीच तनाव कम कराने और युद्ध जैसी स्थिति टालने में उनकी भूमिका अहम रही। शहबाज ने कहा कि ट्रम्प की कोशिशों से बड़ा टकराव टल गया। इसका 87 सेकेंड का वीडियो ट्रम्प ने शुक्रवार को बिना किसी टिप्पणी के ट्रुथ सोशल पर शेयर किया।

इस्लामोफोबिया का भी मुद्दा उठाया

शहबाज शरीफ ने दुनिया में बढ़ते इस्लामोफोबिया पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों को नफरत भरी बयानबाजी, भेदभाव और हमलों का सामना करना पड़ रहा है। मस्जिदों पर हमले और कुरान के अपमान की घटनाएं भी चिंता का विषय हैं। भारत का जिक्र करते हुए शहबाज ने आरोप लगाया कि सीमा पार RSS से प्रभावित विचारधारा धार्मिक नफरत को बढ़ावा दे रही है।

उन्होंने कहा कि इसका असर मॉब लिंचिंग, सांप्रदायिक हिंसा, धार्मिक स्थलों पर हमलों और धार्मिक स्वतंत्रता पर पाबंदियों के रूप में दिखाई दे रहा है।



भारत ने जम्मू-कश्मीर को अपना अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा बताते हुए पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर की स्थिति का मुद्दा उठाया।

भारत की यूएन में फर्स्ट सेक्रेटरी पेटल गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर के लोग लंबे समय से हो रही मनमानी हत्याओं, हिंसा और बुनियादी अधिकारों से वंचित हैं। उनके बारे में भी सवाल किए जाने चाहिए।

एआई एजेंट की अमेरिकी सरकारी वेबसाइट्स से छेड़छाड़

कंपनी बोली- सटीक जानकारी जुटाना मकसद था

नई दिल्ली, एजेंसी

चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के AI एजेंट्स ने अमेरिकी सरकार की वेबसाइट में छेड़छाड़ की। इसमें अमेरिकी शेयर बाजार नियामक SEC और कॉमर्स डिपार्टमेंट की वेबसाइट शामिल है। ओपनएआई ने इसकी जानकारी दी।

हालांकि इस छेड़छाड़ से किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ। एआई एजेंट्स ने किसी भी नॉन-पब्लिक या गोपनीय डेटा को एक्सेस नहीं किया। कंपनी ने कहा कि AI एजेंट का मकसद सरकारी वेबसाइट से सटीक जानकारी जुटाना था।

AI एजेंट्स ने अमेरिकी शेयर बाजार नियामक SEC के डेटा की कॉपी बनाई और उसे इंटरनेट पर पोस्ट कर दिया, जबकि उन्हें ऐसा न करने के साफ निर्देश दिए गए थे।

कॉमर्स डिपार्टमेंट के मामले में एआई एजेंट ने यूएस सेन्सस डेटा की वेबसाइट को ऐसे प्रोग्रामिंग इंटरफेस



से एक्सेस किया, जो उस काम के लिए नहीं बनाया गया था।

AI एजेंट ने शिक्षा मंत्रालय की वेबसाइट में भी घुसने का प्रयास किया। हालांकि, वो इसमें कामयाब नहीं हो सका।

मामला सामने आने के बाद शेयर बाजार नियामक SEC के प्रवक्ता ने कहा कि एआई एजेंट्स ने किसी भी नॉन-पब्लिक या गोपनीय डेटा को एक्सेस नहीं किया।

एजुकेशन डिपार्टमेंट के प्रवक्ता ने बताया कि डेटाबेस को कोई नुकसान नहीं हुआ हैं। वहीं, कॉमर्स डिपार्टमेंट की ओर से इस पर तुरंत कोई बयान नहीं आया है।

दावा : ट्रम्प ने जंग रोकने का प्रस्ताव ठुकराया, होर्मुज खोलने का ऑफर भी नहीं माना

अमेरिका का मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर हमला संभव

> अब्बास अराघची ने बताया था कि यह योजना जून में अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते के जैसी ही है।

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका ईरान पर दोबारा हमले कर सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के 7 दिन में जंग रोकने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रम्प ने अपने सहयोगियों से कहा है कि नवंबर में होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर फिर से बमबारी शुरू करनी चाहिए।

ईरान ने गुरुवार को जंग रोकने के लिए 7 दिन का एक प्लान पेश किया था। इसके तहत संघर्ष रोकने, सातवें दिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दोबारा



अमेरिका जिस दिन मानेगा, उसी दिन बातचीत शुरू होगी : पजशकियान

ट्रम्प द्वारा प्रस्ताव को ठुकरा देने के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान का बयान भी सामने आया। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका प्रस्ताव को स्वीकार करता है, तो उसी दिन दोनों देशों के बीच बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। पजशकियान ने न्यूयॉर्क से तेहरान रवाना होने से पहले अमेरिकी न्यूज चैनल CBS से बातचीत में कहा कि दोनों देशों के बीच अभी भरोसे की कमी है।

खोलने और इसके बाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू करने की बात कही गई थी। 22 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण के दौरान ट्रम्प ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि उनके सामने दो रास्ते हैं- ईरान के साथ ऐसा समझौता करना, जिससे वह दोबारा मजबूत हो सके, या इस्लामिक रिपब्लिक को खत्म कर देना।

ट्रम्प ने साथ ही कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि चुनाव के बाद ईरान के साथ कोई समझौता हो सकता है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद



UN हेडक्वार्टर में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान। तस्वीर 25 सितंबर की है।

अराघची ने मध्यस्थों के जरिए प्रस्ताव दिया था

ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पत्रकारों से कहा था कि ईरान ने मध्यस्थों के जरिए अमेरिका जंग रोकने का प्रस्ताव दिया है। उनके मुताबिक अमेरिका के मिडटर्म चुनाव से पहले समझौता हो जाए तो यह बेहतर होगा।

पजशकियान ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में जून में हुए समझौते के अमल में न आने के लिए ट्रम्प को जिम्मेदार बताया था।

राष्ट्रीय व्यापारी संगठन ने 'नो-यूपीआई-डे' की खबरों को फेक बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स यानी CAIT ने 2 अक्टूबर को देशभर में 'नो UPI डे' मनाने की मीडिया रिपोर्ट्स को गलत बताया है। राष्ट्रीय व्यापारी संगठन ने कहा कि उसने ऐसा कोई ऐलान नहीं किया है। CAIT ने कहा कि डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए जरूरी है और संगठन इसके सपोर्ट में है। हमारा विरोध प्रदर्शन से कोई लेना-देना नहीं है। 2 दिन पहले खबरें आई थीं कि देशभर में व्यापारी और दुकानदार 2 अक्टूबर को UPI से पेमेंट नहीं लेंगे। सरकार के 2000 से ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर 0.4% चार्ज के विरोध में व्यापारी संगठनों ने इस दिन नो UPI डे मनाने का ऐलान किया है।

इस दिन व्यापारी अपनी दुकानों पर लगे UPI QR कोड, स्कैनर, साउंड बॉक्स और अन्य डिजिटल पेमेंट डिवाइसेस को काले कपड़े से ढककर विरोध जताएंगे। व्यापारियों की सरकार से 15 अक्टूबर से लागू होने जा रहे चार्ज को हटाने की मांग है। नो UPI डे से कोई लेना-देना नहीं: CAIT ने कहा कि संगठन ने 2 अक्टूबर को UPI के बहिष्कार या नो UPI डे का कोई प्रस्ताव पारित नहीं किया है। CAIT के नाम से चलाई जा रही ऐसी खबरें पूरी तरह गलत हैं।

क्षेत्रीय संगठनों का व्यक्तिगत विरोधः CAIT ने बताया कि UPI पर MDR चार्ज के मुद्दे पर कुछ क्षेत्रीय या स्थानीय व्यापारिक संगठन विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं।



कहा- ऐसा कोई ऐलान नहीं, 2-अक्टूबर को कुछ स्थानीय संगठन विरोध कर सकते हैं

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96